प्रेरणा स्त्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

अगर आप किसी की मदद कर रहे हैं और बदले में कुछ पाने की उम्मीद कर रहे हैं, तो आप दया नहीं बल्कि व्यापार कर रहे है।

बीके शिवानी

वर्ष-04, अंक - 03 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 21 अक्टूबर 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सहारा ऑफिस की तालाबंदी, दो दिन पहले जोनल हेड ने दिया था इस्तीफा

भोपाल।

धोखाधड़ी के आरोपों में घिरी सहारा इंडिया कंपनी के भोपाल ऑफिस में ताला डल गया है। दरअसल निवेशकों के आए दिन होने वाले प्रदर्शन और विरोध के चलते यहां कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों ने खुद को सुरक्षित करने के लिए ऑफिस को भीतर से बंद कर लिया है और किसी भी तरह की आवाजाही पर रोक लगा दी है। बुधवार की सुबह भोपाल के एमपी नगर जोन वन में स्थित सहारा इंडिया ऑफिस के मुख्य द्वार को बंद कर दिया गया।

दरअसल, यह कार्रवाई खुद संस्था में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों ने खुद को सुरक्षित करने के लिए की। दो दिन पहले ही यहां डेढ़ सौ से ज्यादा निवेशकों और उनके एजेंटों ने धावा बोल दिया था और अपना पैसा वापस लौटाने की मांग कर रहे थे। निवेशकों के बढ़ते दबाव के चलते मध्यप्रदेश के जोनल हैड राजेन्द्र सक्सेना ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और इस्तीफे में साफ लिखा था कि वर्तमान परिस्थितियों में कार्य करना अब संभव नहीं है।

शिवराज सिंह जी अपने नेताओं को कब बनाएंगे आत्मनिर्भर

माही की गूंज, झाबुआ/अलीराजपुर। संजय भटेवरा

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का मंत्र दिया है और देशवासियों से उम्मीद की है कि, वे अपने आप में आत्मनिर्भर हो जाए। जिसके परीपालन मे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोड मेप तैयार किया है। लेकिन उपचुनाव में मुख्यमंत्री के धुआंधार प्रचार को देखकर तो आम जनता के मन में यही सवाल पैदा हो रहा है कि, मुख्यमंत्री अपने नेताओं को आत्मनिर्भर कब बनाएगें ? कहने का आशय यह है कि, छोटे-बड़े हर चुनाव में मुख्यमंत्री स्टार प्रचारक रहते हैं और वे छोटे से छोटे चुनाव को अपनी प्रतिष्ठा का सवाल बनाकर चुनाव लड़ते हैं, तो स्थानीय नेता आत्मनिर्भर कब बनेंगे। चुनाव में सभी को चुनाव प्रचार करने का सवैधानिक अधिकार है लेकिन प्रत्येक चुनाव को जीवन-मरण का प्रश्न बनाना कहां तक उचित है...? कुछ तो स्थानीय नेताओं के भरोसे छोड़ो...?

आप पिछ्ले कई सालों से सत्ता में काबिज हो बावजूद इसके आप स्वयं को अपनी योजनाओं को हर मंच से गिनने व गिनाने की क्या जरुरत है...? इस चुनाव से सरकार की सेहत पर कोई प्रभाव नहीं पढ़ने वाला है और न ही इस चुनाव का असर 2023 के विधानसभा चुनाव में पढ़ने वाला है, तो फिर इसे अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाना कहां तक उचित है...?

नीतियो पर पुर्नविचार आवश्यक

शिवराज सिंह चौहान की सरकार की नीतियों को मध्यप्रदेश की जनता 2018 में ही नकार चुकी है। जब विधानसभा चुनाव में जनता ने कांग्रेस को भाजपा से ज्यादा सीट दी थी, सरकार भी कांग्रेस की ही बनी थी लेकिन बाद के घटनाक्रम में शिवराज सिंह चौहान एक बार फिर मुख्यमंत्री बने हैं, तो आम जनता सहित राजनीतिक पंडितों का कहना है कि, शिवराज सिंह चौहान की सरकार को अपनी नीतियों में बदलाव लाना आवश्यक है, क्योंकि इन नीतियों को तो आम जनता 2018 में ही नकार चुकी है। इसलिए बेहतर यही होगा कि, शिवराज सरकार अपनी नीतियों में बदलाव करें और मजबूत प्रशासकीय पकड़ के साथ आम जनता को सुशासन दे, जिसकी कल्पना भाजपा के पितृ पुरुष पं. दीनदयाल उपाध्याय ने की थी।

उपचुनाव में स्थानी मुद्दे ही हावी

जोबट सहित प्रदेश की 3 विधानसभा और एक लोकसभा में स्थानीय मुद्दे ही हावी हे और यही नहीं यहां जनता, प्रत्याशी का आकलन स्थानीय स्तर के कार्यों पर ही करती है। जोबट विधानसभा चुनाव का मुख्य मुद्दा रोजगार की तलाश में पलायन ही है और इसकी बानगी आज मुख्यमंत्री की सभा में देखने को मिली, जहां मुख्यमंत्री की सभा होने के बावजूद कई मजदूर काम की तलाश में पलायन करने जा रहे थे और ये पलायन प्रशासनिक स्तर पर भी चुनौतीपूर्ण है। प्रशासन की कोशिश यही रहती है कि, ज्यादा से ज्यादा मतदान हो लेकिन जोबट विधानसभा में पलायन को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि, इस बार मतदान का प्रतिशत बढ़ाना प्रशासन के लिए टेडी खीर साबित होगा।

अपनों को साधना ज्यादा चुनौतीपूर्ण

दोनों ही प्रमुख दलों के प्रत्याशियों के लिए आम मतदाताओं के साथ ही अपनों को साधना चुनौतीपूर्ण है। क्योंकि भले ही सुलोचना रावत आज भाजपा प्रत्याशी है लेकिन उनके कई समर्थक आज भी कांग्रेस में ही है और उन्हें कांग्रेस प्रत्याशी महेश पटेल के लिए साधना मुश्किल है। वहीं भाजपा में भी कई टिकट दावेदारों को दरकिनार कर सुलोचना रावत को टिकिट दिया है, ऐसे में सुलोचना रावत के लिए उन्हें दिल से अपने प्रचार के लिए जोड़ना मुश्किल है, भले ही वे खुले रूप से भाजपा के साथ होने का दावा कर रहे हैं। इसलिए राजनीतिक पंडितों का मानना है कि, जो प्रत्याशी अपनों को मनाने में जितना ज्यादा सफल होगा उसके विजई होने की संभावना उतनी ज्यादा होगी। यही नहीं जोबट क्षेत्र के निवासियों के अनुसार दिन के प्राचार और रात के प्रचार में अंतर होता है और दिन के प्रचार से ज्यादा रात का प्रचार ज्यादा कारगर साबित होता है और अपनों को रात में प्रचार के लिए तैयार करना ही, नेताओं को दिल से प्रचार करना कहलाता है। यानी कोई कार्यकर्ता अपने नेताओं के लिए रात में भी मन से प्रचार करता है, तो वो ही अपनी पार्टी का निष्ठावान है। अब सुलोचना रावत और महेश पटेल दोनों के लिए ही अपनों को रात में भी प्रचार करने के लिए तैयार करना लोहे के चने चबाने के समान है और इन लोहे के चने को कौन ज्यादा अच्छे से चबा पाता है इसका पता तो 2 नवंबर को ही लग पाएगा।

नारायण साई को एससी ने फरलो देने के गुजरात हाईकोर्ट के आदेश को किया खारिज

नई दिल्ली।

उच्चतम न्यायालय ने दुष्कर्म के मामले में दोषी, आसाराम बापू के बेटे नारायण साई को 14 दिन की फरलो दिए जाने के गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को बुधवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि, फरलो कोई पूर्ण अधिकार नहीं है और इसे देना कई कारकों पर निर्भर करता है। अदालत ने कहा कि, साई की कोठरी से एक मोबाइल फोन मिला था, इसलिए जेल अधीक्षक ने राय दी थी कि उसे फरलो नहीं दी जानी चाहिए।

एक अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था

दो हफ्ते की 'फरलो' दिए जाने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ गुजरात सरकार की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि, नारायण साई को फरलो नहीं दिया जाना चाहिए क्योंकि वह जेल में रहते हुए भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है।

पिता आसाराम की देखरेख करने के लिए की थी फरलो की मांग

नारायण साई ने कोरोना वायरस से संक्रमित रहे अपने पिता आसाराम की देखरेख करने के लिए फरलो की मांग की है। प्रदेश सरकार ने इसका विरोध करते हुए कहा कि आसाराम उपचार के बाद अब फिर से जेल में है। नारायण साई और उसके पिता आसाराम को दुष्कर्म के अलग-अलग मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है तथा वे आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।

वर्ल्डकप के बाद रोहित शर्मा ही होंगे भारतीय टी-20 टीम के नए कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी।

टी-20 वर्ल्डकप 2021 के बाद भारतीय कप्तान विराट कोहली टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ रहे हैं। रोहित शर्मा उनकी जगह भारतीय टी-20 टीम के नए कप्तान बनाए जाएंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है। रोहित फिलहाल भारत की वनडे और टी-20 टीम के उपकप्तान हैं और भारत की कप्तानी करते हुए उनका रिकॉर्ड भी काफी बेहतर है। रोहित ने अपनी कप्तानी में मुंबई को पांच बार आईपीएल का खिताब जिताया है। इसके अलावा उन्होंने निधास कप में भी भारत को विजेता बनाया था। इस सीरीज में विराट कोहली नहीं खेल रहे थे और रोहित को पूरी त्रिकोणिय सीरीज के लिए भारत का कप्तान बनाया गया था।

विराट ने जब टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया था तब से ही रोहित का नाम कप्तानी की रेस में सबसे आगे चल रहा था। अब इस बात की पुष्टि भी हो चुकी है। इनसाइड स्पोर्ट्स की खबर के अनुसार टी-20 वर्ल्डकप के बाद आधिकारिक तौर पर रोहित को भारतीय टी-20 टीम का नया कप्तान नियुक्त किया जाएगा।

संविधान, महर्षि वाल्मीकि के विचार और दलितों पर हो रहे हैं हमले: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि, मौजूदा सरकार के तहत संविधान, महर्षि वाल्मीकि के विचार और दलित समुदाय के लोगों पर हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने वाल्मीकि जयंती के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय से 'शोभा यात्रा' को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा कि, वाल्मीकि जी ने जो बातें कही थी उसी विचार के मुताबिक संविधान बना था। राहुल ने कहा कि कांग्रेस दलित भाई-बहनों पर हो रहे हमले को रोकेगी और देश को जोड़ने का काम करेगी।

राहुल गांधी ने कहा, 'वाल्मीकि जी ने देश और दुनिया को एक रास्ता दिखाया। उनका संदेश प्यार और भाईचारे का था। आज वाल्मीकि जी के संदेश पर आक्रमण हो रहा है। हमारा संविधान वाल्मीकि जी की विचारधारा का संविधान है। वाल्मीकि जी ने जो बातें कही थी उसी विचार के मुताबिक संविधान बना था। संविधान, वाल्मीकि जी के विचार और दलित भाई-बहनों पर हमले हो रहे हैं। पूरे देश को यह बात मालूम है। सिर्फकुछ लोगों को पूरा फायदा दिया जा रहा है।'

सीबीएसई के 10वीं-12वीं के छात्रों के लिए विकल्प, जहां रह रहे हैं वहीं मिल जाएगा परीक्षा केंद्र

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है, जो छात्र उस शहर में नहीं रह रहे हैं जहां पर उनका स्कूल है, उन्हें परीक्षा के लिए शहर लौटने की आवश्यकता नहीं होगी। बोर्ड ने कहा है कि, जल्द ही छात्रों को विकल्प दिया जाएगा कि वह परीक्षा के लिए उसी जगह के केंद्र के लिए आवेदन कर सकेंगे जहां पर वे फिलहाल रह रहे हैं। सीबीएसई अपने वेबसाइट पर इस विकल्प की व्यवस्था करने जा रहा है।

बोर्ड ने कहा है कि, जो छात्र परीक्षा के लिए अपने स्कूल वाले शहर नहीं आना चाहते वे नए विकल्प से अपना परीक्षा केंद्र उस जगह करवाने के लिए आवेदन कर सकेंगे जहां पर वे फिलहाल रह रहे हैं, लेकिन छात्रों को तय अवधि के दौरान ही इस विकल्प के माध्यम से परीक्षा केंद्र बदलने की जानकारी देनी होगी, जो छात्र ऐसा नहीं कर सकेंगे उन्हें परीक्षा के लिए अपने स्कूल आना पड़ेगा।

पीएम मोदी ने वैश्विक तेल-गैस कंपनियों के सीईओ से की बातचीत, अंबानी भी रहे मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वैश्विक तेल एवं गैस क्षेत्र के सीईओ से बातचीत की, इस बैठक में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निर्देशक मुकेश अंबानी, रोसनेफ्ट रूस के अध्यक्ष और सीईओ डॉ. इगोर सेचिन और सऊदी अरामको के अध्यक्ष और सीईओ सहित अन्य ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि, इस बातचीत का मुख्य विषय स्वच्छ विकास और स्थिरता को बढ़ावा देना है। इस दौरान भारत में हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में खोज एवं उत्पादन को प्रोत्साहित करने, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, गैस आधारित अर्थव्यवस्था, स्वच्छ व ऊर्जा कुशल समाधानों के जरिए उत्सर्जन में कमी, हरित हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था और जैव ईंधन उत्पादन में बढ़ोतरी जैसे क्षेत्रों पर चर्चा हुई।

भारत आने वाले विदेशी यात्रियों के लिए नेगेटिव आरटी-पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट अनिवार्य: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को गाइडलाइन जारी की है कि, भारत आने वाले सभी विदेशी यात्रियों के लिए नेगेटिव आरटी-पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट अनिवार्य होगी। दरअसल, ब्रिटेन में कोरोना के डेल्टा वेरिएंट का म्यूटेशन वर्जन कोहराम मचा रहा है। 11 अक्टूबर के बाद से वहां प्रतिदिन 40 हजार के ऊपर कोरोना संक्रमित सामने आ रहे है। ब्रिटेन में आधी से ज्यादा आबादी कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज ले चुकी है। यहां बूस्टर डोज भी लगना शुरू हो गया है। इसके बावजूद यहां कोरोना का म्यूटेशन वर्जन तेजी से संक्रमण फैला रहा है।

कोरोना का नया म्यूटेंट 10 गुना खतरनाक

विशेषज्ञों का कहना है कि, यह वर्जन डेल्टा वैरिएंट से भी 10 गुना ज्यादा संक्रामक हो सकता है, ऐसे में एक बार फिर बेकाबू होता कोरोना संक्रमण भारत के लिए खतरे की घंटी हो सकता है क्योंकि ब्रिटेन ने अपनी हवाई सीमाएं पूरी तरह से खोल दी हैं।

ऐसे में ब्रिटेन से भारत और भारत से ब्रिटेन की यात्रा करने वालों की संख्या में भी तेजी से इजाफा होना लाजमी है।

भारत में तीसरी लहर दे सकती है दस्तक

दरअसल पिछले दिनों ब्रिटेन की ओर से बयान जारी किया गया था कि, भारत से बड़ी संख्या में नागरिक शिक्षा या फिर व्यापार के उद्देश्य से यात्रा करते हैं। जून 2021 तक 62 हजार 5 सौ नए विद्यार्थियों को वीजा दिया गया है। यह संख्या पिछ्ले साल से 30 प्रतिशत ज्यादा है। यानी साफ है कि, कोरोना जोन में भारत के लोगों का आना-जाना लगा है। ये एक बार फिर भारत में कोरोना वायरस के बढ़ने का कारण हो सकता है, जिसकी वजह से तीसरी लहर भी दस्तक दे सकती है। भारत में पिछ्ले 24 घंटों में कोरोना के 14 हजार 623 नए मामले सामने आए हैं, वहीं, 197 लोगों की मौत हो गई।

अफगानिस्तान में तालिबान के साथ पाकिस्तान खेल रहा डबल गेम

इस्लामाबाद, एजेंसी।

अफगानिस्तान में तालिबान का वापस आना और काबुल का गिरना अपने आप में काफी मायने रखता है। इस घटना से आतंकियों के हौसले बढ़े हैं। कनाडा स्थित थिंक टैंक इंटरनेशनल फोरम फार राइट्स एंड सिक्योरिटी भी मानते हैं कि, काबुल का पतन और इसका इस्लामिक रिपब्लिक आफ अफगानिस्तान से इस्लामिक अमीरात आफ अफगानिस्तान के रूप में बदलने से आतंकियों और आतंकी संगठनों का हौसला बढ़ा है। इस थिंक टैंक का ये भी कहना है कि अफगान तालिबान और तहरीक ए तालिबान के बीच मजबूत गठबंधन है।

थिंक टैंक ने लोकतंत्र समर्थक देश और पाकिस्तान में भी इससे हिंसा के बढ़ने की आशंका जताई है। दक्षिण एशिया और खासतौर पर पाकिस्तान के ताजा हालात पर यदि गौर करें तो अगस्त में 35 आतंकी हमलों में 52 लोगों की जान गई है। इसके अलावा क्षेत्र में अस्थिरता भी बढ़ी है। सितंबर में वजरीस्तान में टीटीपी के हमले में सात पाकिस्तान जवान मारे गए थे। इसके अलावा पाकिस्तान सेना का एक केप्टन भी अफगानिस्तान से लगते इलाके में इसी तरह के हमले में मारा गया था।

राइट्स एडवोकेसीग्रुप ह्यूमन राइट्स वाच के मुताबिक पाकिस्तान सेना और सिविल सोसायटी लगातार तालिबान से दक्षिण एशिया में भारत का प्रभुत्व कम करने के मकसद से संबंधों को सुधारने में लगी है। पाकिस्तान नहीं चाहता है कि भारत का प्रभाव दक्षिण एशिया में बढ़े। इसके लिए वो आतंकियों को ट्रेनिंग देने की अपनी मुहिम पर भी कायम है।

जोबट उपचुनाव में झाबुआ की राजनीति का तड़का, क्या फिर गरमाएगा झाबुआ जिलाध्यक्ष का मामला

जिले के सभी बड़े नेताओं को दी गई अलग-अलग जिम्मेदारी, जिलाध्यक्ष को रखा गया दूर, निर्मला भूरिया अचानक हुई सक्रिय

भाजपा जिलाध्यक्ष पर योन प्रताड़ना के आरोप लगाने वाली महिला ने कहा कांग्रेस बुलाएगी तो खोलूंगी भाजपा की पोल

माही की गुंज, झाबुआ।

विधायक कलावती भूरिया के निधन के बाद खाली हुई जोबट विधानसभा में उपचुनाव की तैयारी में दोनों मुख्य दल कूद चुके है, नाम निर्देशन से लेकर नाम वापसी तक कि प्रक्रिया पूरी हो कर सभी प्रत्याशियों के द्वारा जोर आज़माइश की जा रही है, दोनों मुख्य दलों की और से प्रदेश भर के नेता एक के बाद एक आयोजित रैली और सभाओं में भाग लेकर अपने दल और प्रत्याशि के लिए वोट की मांग कर जीत के दावे कर रहे है।

भाजपा-कांग्रेस के पास जोबट विधानसभा में चेहरे की कमी

जोबट उपचुनाव को लेकर भाजपा-कांग्रेस की जोबट की राजनीति इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है पिछले विधानसभा में कांग्रेस ने यहाँ से कलावती भूरिया को टिकिट दिया जो झाबुआ जिले में जिला जनपद अध्यक्ष के पद पर काबिज़ थी। कांग्रेस यहां से किसी स्थानीय व्यक्ति पर भरोसा नही कर पाई तो भाजपा के पूर्व विधायक माधोसिह डावर बहारी प्रत्याशी को भी नही हरा पाए जिससे उनके राजनीतिक जीवन मे ठहराव आ गया जिसका नतीजा उपचुनाव की स्थिति निर्मित होने पर उनको भुगतान पड़ा। वर्तमान में जब फिर से चुनाव की स्थिति बनी तो कांग्रेस के पास स्थानीय प्रत्याशी नही मिली, तो अलीराजपुर जिले के नेता और जिलाध्यक्ष महेश पटेल को मैदान में उतारना पड़ा वही जीत की तलाश भाजपा को पूर्व कांग्रेस विधायक सुलोचना रावत के शरणो में ले गई। आज जब दोनों मुख्य दल अपने-अपने चेहरे तय कर चुके है , अपने प्रचार के लिए पास के जिले पर ज्यादा निर्भर दिख रहे है खास कर भाजपा जिसने जोबट चुनाव में ज्यादातर घोड़े झाबुआ जिले से उतारे है ।

45 ग्राम केंद्र और 6 शहर केंद्र में आधे केंद्रों पर झाबुआ के नेताओ को जिम्मेदारी, जिलाध्यक्ष को दूर रहने को कहा

भाजपा ने जोबट चुनाव की पूरी रूपरेखा झाबुआ जिले से तैयार की है, भाजपा ने कुल 45 ग्राम और 6 शहर केंद्र में से लगभग 20 से 25 केंद्रों की जिम्मेदारी झाबुआ के बड़े नेता और पूर्व विधायक या विधायक का चुनाव लड़ चुके नेताओं को जबाबदारी दी है , जिससे पता चलता है कि जोबट की जीत की व्यु रचना की तैयारी का वार रूम झाबुआ है। इन सब के बीच जिले में भाजपा के जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक का नाम उन नेताओं की सूची में शामिल नही है जिनको केंद्र की जिम्मेदारी दी गई है, जानकारी मिल रही है झाबुआ के जिलाध्यक्ष नायक पर महिला प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगे हुए है और वो लगातार इन आरोपो के चलते सुर्खियों में है अगर वो जोबट चुनाव में सक्रिय होते है तो विपक्षी दल को हमलावर होने का मौका मिल सकता है इसलिए संगठन स्तर से उनको जोबट चुनाव से दूर रखा गया है।

पूर्व विधायक निर्मला भूरिया अचानक हुई सक्रिय

गूंज द्वारा पूर्व विधायक निर्मला भूरिया के.......... अस्त होते राजनीति की खबर के बाद निर्मला भूरिया अचानक जोबट विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय हो गई, हालांकि आचार सहिता से पूर्व ही यहां प्रदेश और झाबुआ जिले के बड़े नेता सक्रिय थे लेकिन पेटलावद विधानसभा की पूर्व विधायक निर्मला भूरिया यहां दिख नही रही थी, गूंज की खबर के बाद उनके कई समर्थकों ने उनके ढलते राजनीतिक जीवन और राजनीति के गिरते ग्राफ से अवगत भी करवाया, मिली जानकारी के अनुसार निर्मला भूरिया को कट्ठीवाड़ा क्षेत्र के एक ग्राम केंद्र की जिम्मेदारी दी गई है जहां वो अब जाकर सक्रिय होकर प्रदेश के बड़े नेताओं की नजरों में सक्रिय होने का दिखावा कर रही है, जबकि उनके द्वारा जोबट विधानसभा क्षेत्र से अपने दम पर कोई बेठक या सभा आयोजित होने की जानकारी नही मिली। ज्यादातर चुनावी परीणाम सरकार के पक्ष में ही जाते है ऐसे में भाजपा कहा-कहा से जीत दर्ज करती है और वहां किन-किन नेताओ की जिम्मेदारी है ये जानकारी महत्वपूर्ण हो गई है।

जिलाध्यक्ष द्वारा योन प्रताड़ना का शिकार महिला ने कहा कांग्रेस कहेगी तो भाजपा के खिलाफकरूंगी प्रचार, कहा मेरा कांग्रेस से कोई लेना-देना नहीं

बीते एक वर्ष में अगर झाबुआ की राजनीति में जो मुद्दा सबसे ज्यादा गरमाया हुआ है वो भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक पर लगे यौन शोषण के आरोप है, जिस महिला ने भाजपा जिलाध्यक्ष पर ये गंभीर आरोप लगाए है उसकी अभी जाँच तक राजनीतिक दबाव के कारण पूरी नही हुई है। पीड़ित महिला ने उसके पति के हवाले से बताया कि, वो किसी के पास आगे रह कर नही जायेगी लेकिन यदि कांग्रेस की और से प्रचार का बुलावा आया तो वो जरूर सभा मे शामिल होकर भाजपा की महिलाओं के प्रति जिम्मेदारी ओर योन प्रताड़ना करने वाले उनके नेताओ को संरक्षण देकर बचाने की नीति के खिलाफ बोलने को तैयार है हालांकि उन्होंने कहा कि, उनका कांग्रेस से कोई लेना-देना नही है लेकिन सत्य को किसी भी मंच से रखने को तैयार हूं ताकि लोगो को पता चले कि महिलाओं की शिकायतो को लेकर भाजपा के मुख्यमंत्री, गृहमंत्री और प्रशासन का क्या रवैया है। महिला के इस बयान के बाद जोबट चुनाव में एक बार फिर झाबुआ की राजनीति का तड़का देखने को मिल सकता है। वही भाजपा अच्छे भले चल रहे चुनावी माहौल को बिगाड़ना नही चाहेगी तो वही कांग्रेस इसे अवसर के रूप में भुना सकती है ।

जिलाध्यक्ष द्वारा प्रताड़ित महिला

ग्रामीणों की शिकायत पर डाबड़ी पंचायत में मिला लाखों का घोटाला

रोजगार सहायक ने बिना कार्य किए निकाले लाखो रुपये, शिकायत के बाद मषीन से करवा दिया मनरेगा का कार्य

वाटिका की पूर्व स्थिति जहा एक भी गड्ढा नही था

जांच के दूसरे दिन वाटिका में जेसीबी से गड्ढे करते हुए

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में खुले भ्रष्टाचार के मामले कोई नए नही है यहां पूर्व जनपद सीईओ चौहान के राज में इन भष्टो को मानो पंख लग गए थे, लाख शिकायतो के बाद भी सीईओ चौहान ने ग्रामीणों की शिकायतो को गंभीरता से नही लिया जिसके बाद ग्राम पंचायत डाबड़ी के ग्रामीणों ने कलेक्टर से गुहार लगाने के बाद ग्राम पंचायत में जिले से जाँच दल आया जिसने ग्राम पंचायत डाबड़ी के कार्यो में भारी लापरवाही सहित फर्जी मस्टर, फर्जी भुगतान, अधूरे कार्य ओर बिना कार्य किए राशि के आहरण के गभीर मामले सामने आए। हालांकि जाँच दल ग्राम पंचायत की पूरी जानकारी लेकर गया लेकिन वो अधिकारी को क्या रिपोर्ट देते है ये अभी देखना है क्योंकि ज्यादातर मामलो में जांच दल मौके पर मिली लापरवाही और भ्रष्टाचार को दबा कर खुद की जेब गर्म कर लेता है लेकिन यहां भ्रष्टाचार के विरुद्ध छेड़ी जंग में ग्रामीणों का कहना है कि वो अब पीछे हटने वाले नही है ।

पंचायत पहुँचा जांच दल, ग्रामीणों ने खुल कर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

ग्रामीणों की सामुहिक शिकायत के बाद जिला जनपद की टीम ने ग्राम पंचायत डाबड़ी पहुचकर वास्तविक रूप से देखा तो मौके पर भारी फर्जी काम पाया गया, जाँच के दौरान ग्रामीणों ने रोजगार सहायक, सरपंच पर गंभीर आरोप लगाए और वीडियो भी बनाया। ग्रामीणों का कहना है कि, ग्राम पंचायत डाबड़ी में रोजगार सहायक कालुसिंह वसुनिया, सरपंच राधाबाई निनामा डाबड़ी, प्रतिनिधि कार्यकर्ता सरपंच का लड़का दिनेश निनामा, सचिव मोतीलाल डाबी ओर उपयंत्री इन सभी लोगो की मिली भगत ने पूरी डाबड़ी पंचायत को खोखला कर दिया है। रोजगार सहायक कालुसिंह वसुनिया ने खुद के बेटे प्रदीप वसुनिया की शादी भी नहीं हुई ओर उसकी लाडी का नाम जोड़कर फर्जी मस्टर भर रहा है। रोजगार सहायक उसके लड़के के नाम पर खुद ने ही चेक डैम बना दिए और उसकी दादी जिसकी उम्र 75 साल से ऊपर है फिर भी फर्जी मस्टर भर दिए। पंचायत में पशु सेट आए तो गरीब लोगो को 10 हजार रुपए जिसने दिया उसी को दिया हे पशु सेट गरीब लोगो को कोई पशु सेट नहीं दिया हे, रूपारेल में फर्जी कागज पे रोड बना कर 2 लाख 67 हजार 5 सौ रूपये की राशि निकाल लि । डाबड़ी में दो रोड 1 लाख 20 हजार रूपये का बिना बनाए राशि आहरण कर खा गए। ग्रामीणों ने आवेंदन में गंभीर आरोप लगाते हुए बताया पंचायत भवन घटिया बनाया गया रोजगार सहायक काम नहीं करता उसने दोनों बेटों को आईडी दे रखी है खुद ही जिओ टेक करते हे ओर मस्टर भरते हे। यहां रोजगार सहायक आईडी जोड़ने से लेकर अलग करने तक का कार्य बिना लेन-देंन नही करता। सभी ग्राम पंचायत डाबड़ी के लोगो से यही मांग हे की इनकी तुरंत कार्रवाई की जाये ओर रोजगार सहायक, सरपंच व सचिव को निलंबित किया जाए इस प्रकार की सरकारी संपति खाने का कोई अधिकार ओर कोई नियम लागू नहीं है।

20 लाख की सबरी वाटिका की पूरी राशि खा गए निकाल कर, जाँच आई तो अगले ही पल जेसीबी से कर दिए गड्ढे

ग्राम पंचायत डाबड़ी में वर्ष 2019 में लगभग 20 लाख की लागत से दो शबरी वाटिका स्वीकृत हुई थी, जाँच में पता चला कि, उक्त दोनों वाटिका के नाम पर ग्राम पंचायत ने एक रुपये का कार्य नही किया और लगभग 16 लाख रुपये के मनरेगा योजना के फर्जी मस्टर भरकर रोजगार सहायक ने राशि निकाल ली। भ्रष्टाचार यहां इस कदर हावी है कि, रोजगार सहायक ओर ग्राम पंचायत ने अपनी कारस्तानी छुपाने के लिए जांच के अगले ही दिन वाटिका के स्थान पर जेसीबी लगा कर गड्ढे खोद कर मौके पर कार्य बताने की कोशिश की। ग्रामीणों ने बताया कि, रोजगार सहायक द्वारा 11 और 12 अक्टूम्बर को दिन में ही जेसीबी चला कर गड्ढे खोदे जिसका वीडियो भी बनाया, वीडियो बनता देख कर भी रोजगार सहायक द्वारा जेसीबी नही रोकी गई। जिससे पता चलता है कि, लाखों रुपये का भ्रष्टाचार को अंजाम देने वाले सरपंच-सचिव और रोजगार सहायक अपने अधिकारियों की और से कितने आश्वासत है।

ग्राम पंचायत डाबड़ी में जांचदल जांच करता हुआ।

पंचनामे पर हस्ताक्षर करता डाबड़ी सचिव।

डेंगू हो रहा बेकाबू, जिले की जनता को जिला प्रशासन और स्वास्थ्य सेवाओं पर नहीं है भरोसा

आईएसओ प्रमाणित जिला चिकित्सालय में 50 प्रतिशत से अधिक पद है खाली, ईलाज के लिए गुजरात जाने को मजबूर है जिलेवासी, गुजरात जा रहे मरीजों का नहीं है कोई रिकार्ड

माही की गूंज, झाबुआ।

कोरोना संक्रमण के लंबे अंतराल के बाद कोरोना तो काबू में आ चुका है लेकिन अब डेंगू ने जिले में आतंक मचा रखा है। दिन ब दिन डेंगू के मरीज जिले में बढ़ते ही जा रहे है। लगभग हर घर में एक या एक से अधिक मरीज वायरल फीवर की चपेट में है, इन मरीजों के बीच डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। वैसे देखा जाए तो इस मौसम में मलेरिया के मरीज बढ़ते है लेकिन इस बार मलेरिया की जगह डेंगू ने ले ली है। डेंगू मरीजों से जिले के प्रायवेट अस्पताल भरे पड़े है, लेकिन सरकारी आंकड़े जमीनी हकीकत से कोसो दूर है।

स्वास्थ्य विभाग का सरकारी आंकड़ा अब भी बहुत कम है। जबकि डेंगू मरीजों की संख्या कई गुना अधिक देखने को मिल रही है। हालांकि यह सही है कि, जिला चिकित्सालय या जिले के सरकारी अस्पतालों में डेंगू के कम ही मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे है। अधिकतर मरीज डेंगू के ईलाज के लिए निजी चिकित्सालयों की शरण ले रहे है या सीधे तौर पर गुजरात की दौड़ लगा रहे है, उन मरीजों की सरकारी रिकार्ड में गिनती ही नहीं है। इसका सीधा सा कारण है जिले की जनता का जिले के अस्पतालों पर विश्वास ना होना। जिला मुख्यालय की बात की जाए तो यहां जिला चिकित्सालय सुविधा युक्त तो है साथ ही आईएसओ प्रमाणित भी है। बावजूद इसके जनता में इसके प्रति विश्वास का ना होना सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं पर प्रश्न चिन्ह खड़े करता नजर आ रहा है। जिला प्रशासन का भी इस ओर कोई ध्यान नहीं है। जिला प्रशासन के दिमाग में केवल एक ही फिक्र है वह है कोरोना वैक्सीनेशन अभियान। इसके अलावा अन्य मामलों में जिला प्रशासन फिसड्डी साबित हो रहा है। चाहे फिर वह मलेरिया की बात हो या डेंगू की या फिर फैल रहे वायरल फीवर की, प्रशासन या स्वास्थ्य अमला इन्हे लेकर कहीं भी संवेदनशील नजर नहीं आ रहा हैं। हम यह नहीं कहते कि कोरोना टीकाकरण अभियान नहीं चलना चाहिए, मगर उसके साथ-साथ अन्य बीमारियों को नजर अंदाज करना उचित नहीं है।

मलेरिया की जगह ले ली डेंगू ने

वैसे तो हर साल इस मौसम में मलेरिया के मरीजों में अधिक वृद्धी होती है, लेकिन इस बार मलेरिया की जगह डेंगू ने ले ली है। डेंगू का कहर गांव-गांव तक पहुंच चुका है। यह अलग बात है कि, सरकारी आंकड़ों में डेंगू के मरीजों की संख्या बहुत कम बताई जा रही है। डेंगू के फैलने का मुख्य कारण मौसम का परिवर्तन होना भी है, बारिश के कारण जगह-जगह हो रहे जल जमाव में डेंगू के लारवा पनप रहे है। इसे ट्रेस करना भी शायद स्वास्थ्य अमले के लिए नामुमकिन सा हो गया है। इसका प्रमाण जिले में बढ़ रही डेंगू मरीजों की संख्या है। अब आशंका यह जताई जा रही है कि, जब तक बारिश का पानी जगह-जगह जमा रहने तक डेंगू का खतरा बना रहेगा। यानि सीधा सा मतलब यह है कि जब तक बारिश का जगह-जगह जमा जल सूख नहीं जाता तब तक डेंगू फैलता ही रहेगा, इसे रोकने का कोई तरीका स्वास्थ्य विभाग को नजर नहीं आ रहा है।

सरकारी आंकड़े जमीनी हकीकत से कोसो दूर

वर्षा ऋतु में हमेशा मलेरिया ही फैलता रहा है। एक साल में हजारों की संख्या में मलेरिया के मरीज मिलने का रिकार्ड भी सामने आता रहा है। इस वर्ष देखने में यह आया है कि, मलेरिया के मरीज घट रहे है, इनका आंकड़ा दो सैकड़ा तक भी नहीं पहुंच पाया है। इसके उलट पहले जिले में डेंगू के मरीज शायद इक्का-दुक्का ही मिलते थे। अचानक पिछले महीने से डेंगू ने जिले में अपने पैर पसारना शुरू किए। देखते ही देखते यह अब गांव-गांव तक फैल चुका है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 5 सौ से अधिक जांचे डेंगू की हुई और लगभग 60-70 मरीज डेंगू पॉजिटिव पाए गए। यह तो हुई सरकारी आंकड़े की बात मगर जमीनी हकीकत कुछ अलग ही नजर आ रही है। जो यह बताती है कि, जिले में सरकारी आंकड़े से कई गुना अधिक डेंगू फैल चुका है। इसका कारण हम पहले ही बता चुके है कि, जिले की एक बड़ी आबादी जिले के निजी चिकित्सालयों या गुजरात के दाहोद और बड़ौदा में उपचार के लिए चली जाती है। हांलाकि स्वास्थ्य विभाग बार-बार यह अपील कर रहा है कि, आमजन अपने घरों के आसपास बारिश का पानी जमा नहीं होने दें। मच्छर को पनपने का मौका न दें। बारिश का पानी जब तक जमा रहेगा डेंगू का खतरा बना रहेगा। प्रशासन इस बात का भी दावा कर रहा है कि, गांव-गांव में मैदानी अमला लारवा का सर्वे करते हुए उसे खत्म करने में लगा हुआ है, लेकिन मरीजों की बढ़ती संख्या मैदानी अमले के सर्वे की रफ्तार से बहुत अधिक है, और लारवा खत्म करने का यह प्रयास ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रहा है।

जनता में अविश्वास का यह है कारण

जिला चिकित्सालय की बात की जाए तो यहां 50 प्रतिशत से अधिक पद रिक्त पड़े है। ऐसे में स्वास्थ्य सुविधाएं जनता को ठीक से नहीं मिल पाती और मजबूरी में उन्हे अपने उपचार के लिए दाहोद, बड़ौदा या इंदौर से शहरों का रूख करना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर लोग तो ऐसा भी नहीं कर पाते। ऐसे में उन्हें यहीं रहकर अपने स्वस्थ होने का इंतजार करना पड़ता है। पलंग नहीं हो तो भी जैसे-तैसे जमीन पर लेटकर अपना उपचार करवाते हैं।

व्यवस्थाओं को लेकर भी कोई ध्यान नहीं

जिला चिकित्सालय में वर्षो से स्वास्थ्य सुविधाएं सुधरने के बजाए और अधिक दयनीय होती जा रही है। यह सिलसिला लगातार आज भी जारी है। जिला अस्पताल में कुल 341 पद स्वीकृत हैं, जिसके विपरीत मात्र 162 पद भरे हुए हैं। 179 खाली पद यहां की एक बड़ी समस्या बने हुए हैं। मूल पद ही रिक्त हो तो उपचार की कल्पना भी नहीं कर सकते। सबसे बड़ी रिक्तता चिकित्सकों के पदों को लेकर हैं। सुविधाएं भी पिछले कुछ सालों में यहां काफी मिली हैं, लेकिन इन सुविधाओं में समय-समय पर कुछ न कुछ तकनीकी दिक्कतें आती रहती हैं। कभी डायलिसिस सेंटर बंद हो जाता है तो कभी एक्स-रे मशीन ही काम नहीं करती है। कहने को तो जिला चिकित्सालय में सोनोग्राफी, डायलिसिस, एक्सरे, कोविड आईसीयू दस बेड का, आईसीयू, शिशु गहन चिकित्सा इकाई, कुपोषण बच्चों का वार्ड, मेल मेडिकल, वृद्धजन वार्ड, फिजियो थेरेपी, सर्जिकल वार्ड, ब्लड बैंक आदि की सुविधाएं है। पानी की समस्या के नाम पर यहां हमेशा औपचारिकताएं चलती रहती हैं। पानी का संकट बना हुआ है लेकिन कोई स्थायी हल नहीं निकल पाया है।

जिला अस्पताल की अव्यवस्था को लेकर एक बार नहीं बल्कि अनेक बार मुख्यमंत्री तक को भी शिकायत हो चुकी है। इसके बावजूद यहां कभी कुछ नहीं हुआ। प्रशासनिक अधिकारी कभी कभार नाम के लिए दौरा कर लेते हैं। बाद में स्थिति वही ढाक के तीन पात हो जाती है।

पांच साल पहले पत्नी को छोड़ने वाले पति की पुलिस बनी दलाल

पुलिस ने डायल 100 के ड्रायवर को ही बिठा लिया थाने में, लेन-देन कर मामला निपटाने का बनाया दबाव

पत्नी ने प्रताड़ना की पुलिस महानिदेशक भोपाल सहित अधिकारियों को की शिकायत

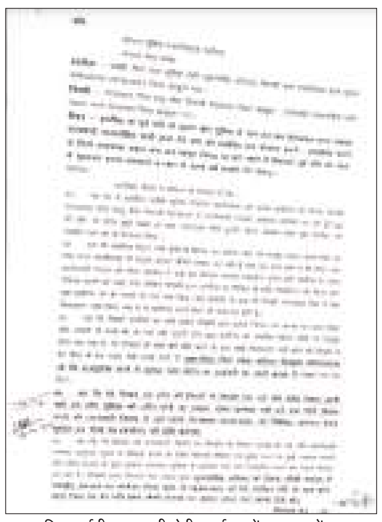

महिला पार्वती द्वारा एसडीओपी कार्यालय में प्रस्तुत आवेंदन।

माही की गूंज, पेटलावद।

जिले के थाने और चौकी में भांजगड़ी प्रथा द्वारा आज भी आदिवासी समाज मे मामले निपटना कोई नई बात नही है लेकिन कभी-कभी पुलिस खुद इन मामलो में पार्टी बन जाती है, क्योकि पुलिस ज्यादातर बिना मामले को देखे भाले उस पक्ष के साथ हो जाती है जिसको पैसे मिलना है और खुद के हिस्से के चक्कर मे विपक्षी पर अतिरिक्त दबाब बनाकर कानूनी झमेले में उलझाने की धमकी देती है। जिसके प्रभाव में आकर ज्यादातर मामलो में समझौता करना एक पक्ष की मजबूरी बन जाता है, लेकिन कभी-कभी पुलिस को इन मामलो में लेने के देने पड़ जाते है।

डायल 100 का ड्राइवर जुवांनसिह कतिज़ा ।

ऐसे ही एक मामले में पेटलावद पुलिस ने समीप के रायपुरिया थाने पर डायल 100 के ड्राइवर को प्रताड़ित कर परेशान करना शुरू किया तो उसकी पत्नी ने मामले की शिकायत पुलिस महानिदेशक भोपाल सहित पुलिस के दूसरे बड़े अधिकारियों को कर, पति को प्रताड़ित करने वाले पूर्व पति,उसके साथियों, थाना प्रभारी और पेटलावद थाना पदस्थ एएसआई लाखन भाटी पर प्रकरण दर्ज कर सुरक्षा की मांग की है ।

5 वर्ष पहले पत्नी को छोड़ चुका, पत्नी की दूसरी शादी को बनाना चाहता है वसुली का जरिया

मामला, पार्वती भूरिया निवासी बड़लीपाड़ा जिसका विवाह 7 वर्ष पहले पेटलावद निवासी नानालाल मैडा से हुआ था। पार्वती ने अपने दिए आवेंदन में बताया कि शादी के 2 वर्ष बाद ही नानालाल ने दूसरी महिला से शादी कर ली और उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया, तब से पिता के साथ ही रह रही थी। उसके पिता ने पुलिस से लेकर आदिवासी समाज़ में बैठ कर मामले के निपटारे की तमाम कोशिशें की जो कि, नाकामयाब रही तो, घर बैठी लड़की का विवाह उसकी राजी मर्जी से जुवांनसिह कतिज़ा निवासी कतिज़ापाड़ा से तय कर दिया, जो कि रायपुरिया थाने में डायल 100 वाहन चलता है। जिसके बाद से उसके पहले पति ने लगातार दूसरे पति से आदिवासी परंपरा अनुसार पत्नी को ले जाने के नाम पर झगड़ा लेने के उद्देश्य से पुलिस के माध्यम से परेशान करना शुरू कर दिया।

अलग-अलग चौकी और थाने में दिया आवेंदन

पार्वती ने बताया कि, उसके दूसरे पति को प्रताड़ित ओर परेशान कर वसुली करने के लिए उसके पहले पति नानालाल मैडा ने सबसे पहले करवड़ चौकी पर आवेंदन दिया, जिसके बाद जुवांनसिह कतिज़ा को बुला कर बयान दर्ज किए गए। चुकि कोई मामला नही बनता था, पुलिस ने बयान दर्ज कर मामला खत्म कर दिया। जब करवड़ चौकी से बात नही बनी तो नानालाल मैडा ने सारंगी चौकी पर फिर से आवेंदन दिया, जहा से एएसआई नीरज का फोन आया और शिकायत की जानकारी देकर सारंगी चौकी पर बुलाया। जुवांनसिह ने करवड़ चौकी में दर्ज कराए बयान की जानकारी फोन पर ही दी तो, सारंगी चौकी पर नही आने का बोल कर मामला खत्म कर दिया। दोनों चौकी से मामला नही जमा तो नानालाल ने पेटलावद थाने में आवेंदन दिया। पीड़ित महिला पार्वती ने आवेंदन में बताया कि, पेटलावद थाने पर पदस्थ एएसआई लाखन भाटी जिससे पूर्व पति के अच्छे संबंध है उससे साठ-गांठ कर पेटलावद थाने में आवेंदन दिया, जिसके बाद से प्रार्थिया के पति को परेशान किया जा रहा है ।

बयान के लिए थाने में बुलवाकर पुलिस ने पूर्व पति और उसके साथियों से दिलवाई निपटारा नही करने की धमकी

महिला ने आवेंदन में पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि, एएसआई लाखन भाटी ने मेरे पति जुवांनसिह कतिज़ा को फोन कर बयान के लिए बुलाया, जहा पहुँचने के बाद एएसआई भाटी ने मेरे पूर्व पति नानालाल मैड़ा को बुलाया, जो अपने साथ लगभग 6-7 लोग लेकर आया, थाने में ही मेरे पति को निपटारा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी। एएसआई लाखन भाटी द्वारा मेरे पति पर मामला लेंन-देंन कर निपटाने का दबाव बनाया और मामला नही निपटाने पर बलात्कार और अपहरण की धारा में अपराध दर्ज कर जेल भेजने की धमकी दी गई।

गूंज असर...

कुंडाल स्कूल की छत का निरीक्षक कर बच्चों को दूसरे कमरे में बैठाने को कहा

बीआरसी ने कहा जल्द होगा छत मरम्मत का कार्य, गत वर्ष से स्वीकृत है कार्य

माही की गूंज, पेटलावद ।

गूंज के पिछले अंक में प्रकाशित खबर के बाद विभाग के जांच दल ने स्कूल पहुँच कर स्थिति का जायजा लिया और जिस कमरे में छत से मटेरियल गिर रहा था वहां बच्चों को बैठाने से मना किया गया। सोमवार को बीआरसी सियाराम रायपुरिया कुंडाल सहित आस-पास की अन्य स्कूलों के दौरे पर निकले और स्कूल भवनों की स्थिति की समीक्षा की। ग्राम पंचायत करडावद के ग्राम कुंडाल स्थित प्राथमिक शाला के भवन का कमरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त पाया गया, बीआरसी रायपुरिया ने बताया शिक्षक को फिलहाल बच्चों को दूसरे कमरे में बिठाने को कहा है और उक्त कमरे की मरम्मत दौबारा छत भरने का काम पूर्व में ही स्वीकृत हो चुका है लेकिन कोरोना के समय कार्य नही हो पाया था, इंजीनियर को जल्द से जल्द कार्य शुरु करने का बोल दिया है। अब देखना ये ही विभाग के दावों में कितना दम है या सिर्फ खानापूर्ति कर फिर बच्चों की जान से खिलवाड़ जारी रखा जाएगा।

हर्षोल्लास के साथ मनाया ईद मिलादुन्नबी पर्व

माही की गूंज, थांदला।

अमन शांति एवं सौहार्द्र के प्रतीक इस्लाम धर्म के पैगंबर इस्लाम (स.अ.व.स.) के जन्मदिन मुबारक मौके पर जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस कोविड 19 गाइड लाइन के अनुसार शहर में निकाला गया। इस दौरान सरकार की आमद मरहबा, ईद मिलादुन्नबी जिंदाबाद-जिंदाबाद के नारों से नगर गूंज उठा। जुलूस में नगर के सभी ने बढ़-चढ़ हिस्सा लिया, बच्चों संग सभी बड़े बुजुर्ग ने भी जुलूस में शिरकत की। नगर के पीर साहब गली से जुलुस का आगाज हुआ जो गांधीचौक, भंसाली चौराहा, पीपली चौराहा, आजाद चौक, गवली मोहल्ला, बोहरा मोहल्ला होता हुआ जामा मस्जिद प्रांगण में पहुंचा। जुलूस में नात ख्वाह हाफिज सलीमुद्दीन, आमीन काजी अपनी दिलकश आवाज में नाते पढ़ी। इस अवसर पर पैग़म्बर ए-इस्लाम बताये हुए नेक मार्ग पर चल कर मानवसेवा करने का संकल्प लिया। जामा मस्जिद के पेश इमाम इस्माइल बरकाती, ताज मस्जिद पेश इमाम, टीआई कौशल्या चौहान, सदर कदरुद्दीन शेख, गफ्फार रंगरेज, सेकटरी रशीद रंगरेज, अब्दुल हक शेख, रहीमुद्दीन, निजामी कमेटी के अध्यक्ष कादर शेख, उपाध्यक्ष सैयद मोइनुद्दीन, कविता बुआ का स्वागत किया गया। वही निजामी कमेटी ने पीर साहब गली में चाय नाश्ते का आयोजन रखा जिसमें सभी ने शिरकत की। इस अवसर पर गौसेवा अध्यक्ष राजू धानक, मीडियाकर्मी वरिष्ठ पत्रकार सुधीर शर्मा, प्रेस आयोग के अध्यक्ष समकित तलेरा, पार्षद अफसाना बी शेख मौजूद थे। ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन ने व्यवस्थाएं बनाए रखी। थाना प्रभारी कौशल्या चौहान व उनकी टीम का पुष्पमाला पहनाकर आभार माना।

महाविद्यालय में प्रवेश की तिथी बढ़ी

माही की गूंज, थांदला।

भोज विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र शासकीय महाविद्यालय थांदला में विभिन्न विषयों में प्रवेश लेने के लिए अंतिम तिथि में वृद्धि करते हुए अब इसे 31 अक्टूबर किया गया है। अध्ययन केंद्र के प्रभारी डॉ पीटर डोडियार ने बताया कि, बीए, बीकॉम, बीएससी, एमए अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, हिंदी साहित्य, इतिहास ,भूगोल , एमएसडब्ल्यू, एमकॉम ,बीबीए, एमबीए आदि तथा डिप्लोमा इन मैनेजमेंट, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, कंप्यूटर एप्लीकेशन , पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा, राम चरित्र मानस से सामाजिक विकास आदि विषयों में एवं इसके साथ ही सर्टिफिकेट इन रूरल डेवलपमेंट तथा सर्टिफिकेट इन ह्यूमन राइट्स के प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थियों को एमपी ऑनलाइन के माध्यम से प्रवेश आवेदन पत्र भरना होगा ।

शरद पूर्णिमा पर हुआ कन्या भोज व सुंदरकांड का आयोजन

एकली खड़ी रे मीरा बाई एकली खड़ी, मीठे रस से भरी रे भजनों पर झूमे भक्त

माही की गूंज, बामनिया।

शारदीय नवरात्रि के बाद माताजी मन्दिर मुख्य चोराहे पर शरद पूर्णिमा का आयोजन धूमधाम से किया गया, यहाँ प्रतिवर्ष अनुसार माता के प्रांगण में कन्या भोज का आयोजन किया गया। जिसमें नगर सहित आस-पास की नन्ही-नन्ही बालिकाओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की, इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने भोजन कर रही बालिकाओं की पग पूजा कर उनको फल, पैसे, और अन्य सामग्री भेट कर धर्म लाभ लिया। कन्या भोज के पश्चात माँ के प्रांगण में रतलाम की टीम द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया जिसमें नगर के श्रद्धालुओ ने बड़ी संख्या में शामिल हुए। रतलाम की सुंदरकांड दल द्वारा भजनों की शानदार प्रस्तुति दी गई जिसमें युवा जमकर झूमते नजर आए, खासकर एकली खड़ी रे मीरा बाई एकली खड़ी और मीठे रस से भरी रे भजनों पर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

महा आरती और अमृत वर्षा के बाद हुआ खीर का वितरण

शरद पूर्णिमा के अवसर पर देर रात 12 बजे माताजी की महाआरती का आयोजन किया और मान्यता अनुसार आज के दिन पूनम की रात अमृत वर्षा होती है जिसका वितरण महाआरती के बाद होता है। ग्राम के मुख्य चोराहे पर माता जी की आरती में बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए पश्चात प्रासदी का वितरण किया गया। आयोजन माँ अंबिका सेवा समिति और नवरात्रि नवदुर्गा महोत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित किया।

स्कुल में घुसे चोर

माही की गूंज, थांदला।

बीती रात चोरों ने अणु पब्लिक स्कुल को अपना निशाना बनाया। संस्था के संचालक प्रदीप गादिया ने बताया कि, रविवार की रात करीब 1 बजकर 30 मिनिट पर तीन लड़के चड्डी-बनियान पहने मुंह पर मास्क लगाएं संस्था के कार्यालय में घुसे और बारी-बारी से 4 कमरों के ताले तोड़ चोरी करने का प्रयास किया। कमरों में पाठ्य सामग्री और कंप्यूटर आदि रखे हुए थे, जिन्हें चोरों ने हाथ नहीं लगाया पर एक-एक कर चार कमरों के ताले तोड़े। चोरों की उक्त पूरी घटना स्कूल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, तीनों लड़के चोरी करते दिखाई दे रहे है। संस्था प्राचार्य द्वारा सुबह में पुलिस व संचालक मंडल को सूचना दी गई, तत्पश्चात पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी।

पक्खी पर्व व नव दिवसीय ओलीजी तप आराधना

माही की गूंज, थान्दला। साध्वी निखिलशीलाजी व साध्वी मंडल के सानिध्य मे श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ आज पक्खी पर्व जप,तप, त्याग, तपस्या व विविध आराधनाओं के साथ मनाया जाएगा।इसी दिन नव दिवसीय ओलीजी तप आराधना का समापन भी होगा।इसी दिन शरद पूर्णिमा भी है, श्रावक-श्राविकाएँ सामूहिक संवर की आराधना भी करेंगे।संवर की आराधना करने वाले आराधकों का बहुमान श्री संघ के वरिष्ठ सुश्रावक अमृतलाल, मनीष कुमार चौपड़ा परिवार द्वारा किया जाएगा। नव दिवसीय ओलीजी तप आराधना करने वालें आराधकों व पक्खी पर्व के प्रसंग पर विविध तप आराधना करने वाले समस्त तप आराधकों के सामूहिक पारणे 21 अक्टूम्बर गुरुवार को स्थानीय महावीर भवन पर होंगे। पक्खी पर्व व नव दिवसीय ओलीजी तप आराधना के सामूहिक पारणे करवाने का लाभ स्व.मंगलादेवी पावेचा की स्मृति में प्रमोद चांदमल पावेचा परिवार ने लिया है।

भगवान के नाम मात्र से ही व्यक्ति भवसागर से पार उतर जाता है-प.कमलेश शास्त्री

माही की गूंज, कुशलगढ़।

कुशलगढ़ कथावाचक प.कमलेश शास्त्री ने कहा कि मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। कुशलगढ़ में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है। जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध,लोभ,मोह, हिंसा,संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। व्यासपीठाधीश्वर प.कमलेश शास्त्री ने भागवत कथा के दौरान कपिल चरित्र, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, जड़ भरत चरित्र, नृसिंह अवतार आदि प्रसंगों पर प्रवचन करते हुए कहा कि भगवान के नाम मात्र से ही व्यक्ति भवसागर से पार उतर जाता है। उन्होंने भगवत कीर्तन करने, ज्ञानी पुरुषों के साथ सत्संग कर ज्ञान प्राप्त करने व अपने जीवन को सार्थक करने का आह्वान किया। भजन प्रस्तुत किए गए भजनों पर श्रोता भाव विभोर होकर नाचने लगे। प.कमलेश शास्त्री ने कहा कि वैराग्य मानव को ज्ञानी बनाता है। वैराग्य में मानव संसार में रहते हुए भी सांसारिक मोहमाया से दूर रहता है। उन्होंने वाराह अवतार सहित अन्य प्रसंगों पर प्रवचन किए। इससे पूर्व यजमान बाबूलाल प्रजापत,उषा प्रजापत,रूपक मल प्रजापत,निधि,स्वरूप,भाग्यलक्ष्मी प्रजापत की ओर से पूजा-अर्चना की गई। कथा वाचक प.कमलेश शास्त्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने भक्तों का उद्धार व पृथ्वी को दैत्य शक्तियों से मुक्त कराने के लिए अवतार लिया था। उन्होंने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान धरती पर अवतरित होते हैं।कुशलगढ़ के बांसवाड़ा रोड पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग व उनके जन्म लेने के गूढ़ रहस्यों को कथा वाचक शास्त्री ने बेहद संजीदगी के साथ सुनाया। कथा प्रसंग सुनाते हुए कथा वाचक ने बताया कि जब अत्याचारी कंस के पापों से धरती डोलने लगी, तो भगवान कृष्ण को अवतरित होना पड़ा। सात संतानों के बाद जब देवकी गर्भवती हुई, तो उसे अपनी इस संतान की मृत्यु का भय सता रहा था। भगवान की लीला वे स्वयं ही समझ सकते हैं। भगवान कृष्ण के जन्म लेते ही जेल के सभी बंधन टूट गए और भगवान श्रीकृष्ण गोकुल पहुंच गए। कथा का संगीतमयी वर्णन सुन श्रद्धालुगण झूमने लगे। कथा वाचक ने बताया कि जब अत्याचारी कंस के पापों से धरती डोलने लगी, तो भगवान कृष्ण को अवतरित होना पड़ा। सात संतानों के बाद जब देवकी गर्भवती हुई, तो उसे अपनी इस संतान की मृत्यु का भय सता रहा था। भगवान की लीला वे स्वयं ही समझ सकते हैं। भगवान कृष्ण के जन्म लेते ही जेल के सभी बंधन टूट गए और भगवान श्रीकृष्ण गोकुल पहुंच गए। कथा का संगीतमयी वर्णन सुन श्रद्धालुगण झूमने लगे।उषा प्रजापत ने मा देवकी और बाबूलाल प्रजापत ने वासुदेव बनकर कृष्ण के माता पिता बनने का लाभ लिया। इस दौरान यजमान बाबूलाल प्रजापत,उषा प्रजापत,रूपक मल प्रजापत,निधि,स्वरूप,भाग्यलक्ष्मी प्रजापत हरेंद्र पाठक,कैलाश राव, प्रबोधचंद्र पंड्या,दिनेश शर्मा, तिलोत्तमा पंड्या,अंबिका पाठक, ज्योत्सना पंड्या,अशोक पंड्या,आशीष नीमा,मनीष नीमा,अरुण जोशी का सहयोग रहा।

सेन समाज की पदयात्रा

माही की गूंज काकनवानी, नरेश पंचाल

गुजरात के पाटन में लिंबच माता जो कि सेन समाज की कुलदेवी मानी जाती है, काकनवानी से गुजरात पाटन के लिए 30 लोगों का जत्था रवाना हुआ। इस पदयात्रा में काकनवानी, कल्याणपुरा, थांदला, मदरानी, झालोद आदि गांव से भी सेन समाज के लोग सम्मिलित हुए। यह यात्रा काकनवानी से शुरू होकर 10 दिनों में गुजरात के पाटन पहुंचेगी, इस भव्य पदयात्रा के संचालक कान्हा वर्मा ने आयोजन का बीड़ा उठाया है। इस यात्रा में भोजन भंडार एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए दो वाहन साथ में ही चलेंगे।

संपादकीय

राम रहीम को मिली उम्रकैद और जुर्माना

बहुचर्चित रणजीत सिंह हत्याकांड में पंचकूला की विशेष सीबीआई अदालत ने डेरामुखी गुरमीत राम रहीम समेत पांच दोषियों को सोमवार को उम्रकैद की सज़ा सुनाई है। राम रहीम पर 31 लाख रुपए तथा अन्य चार दोषियों पर पचास-पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है, जिसकी आधी रकम पीड़ित पक्ष को मिलेगी। सज़ा सुनाते वक्त कोर्ट परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही और पंचकूला में धारा-144 लगाई गई। जहां डेरामुखी गुरमीत को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में प्रस्तुत किया गया, वहीं अन्य चार आरोपी पुलिस सुरक्षा में अदालत में पेश हुए। इस मामले में अदालत ने 8 अक्तूबर को फैसला लिखा था, जिसमें सज़ा की घोषणा 12 अक्तूबर को होनी थी। लेकिन डेरामुखी ने रहम की गुहार लगाई और कहा था कि, वह कई रोगों से ग्रस्त है और उसने समाज सेवा के बहुत से काम भी किए हैं, अतः उसे सज़ा में छूट दी जाए। यह फैसला भारतीय लोकतंत्र में कानून राज को पुष्ट करता है। कोई व्यक्ति कितना भी ताकतवर क्यों न हो एक दिन कानून के तहत कृत्यों की सज़ा जरूर पाता है। हालांकि, मामले में सज़ा मिलने में 19 वर्ष लगे, लेकिन इस हाईप्रोफाइल मामले को तार्किक परिणति देना इतना आसान भी नहीं था। न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने के लिए हिंसा, प्रदर्शन, धरने और यहां तक कि सीबीआई जज को धमकी तक दी गई। राजनीति व पुलिस-प्रशासन में गहरी दखल रखने वाले रसूखदार शख्स को सज़ा मिलना निःसंदेह भारतीय लोकतंत्र व देश की कानून व्यवस्था की मजबूती को ही दर्शाता है।

दरअसल, 10 जुलाई 2002 को कुरुक्षेत्र के रहने वाले डेरे के पूर्व मैनेजर रणजीत सिंह की हत्या कर दी गई थी। डेरामुखी को शक था कि, साध्वी के यौन शोषण के मामले के खुलासे में रणजीत सिंह की भूमिका थी। इसके बाद रणजीत सिंह के बेटे ने जनवरी 2003 में हाईकोर्ट में याचिका दायर करके मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी।

कालांतर हाईकोर्ट ने फैसला बेटे के पक्ष में सुनाकर मामले की जांच वर्ष 2003 में सीबीआई को सौंपी थी, जिसमें 2007 में आरोपियों पर आरोप फ्रेम किए गए। उल्लेखनीय है कि, डेरामुखी गुरमीत पहले ही एक पत्रकार की हत्या और साध्वी के बलात्कार मामले में जेल में सज़ा काट रहा है। दरअसल, 1948 में शाह मस्तान द्वारा सिरसा में स्थापित डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख की गद्दी श्रीगंगानगर में जन्मे राम रहीम ने येन-केन-प्रकारेण 1990 में हासिल कर ली थी। देश में डेरे के दर्जनों आश्रम और लाखों की संख्या में अनुयायी हैं। डेरा कई सेवा प्रकल्प संचालित करने की बात कहता है। यूं तो डेरे से जुड़े विवाद लंबे समय से सामने आ रहे थे लेकिन बड़ा मामला तब प्रकाश में आया जब वर्ष 2002 में एक साध्वी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर डेरा प्रमुख पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। बाद में इस पत्र को छापने वाले एक अखबार के संपादक रामचंद्र छत्रपति की हत्या कर दी गई। इसके उपरांत मामला सीबीआई को सौंप दिया गया। वैसे वर्ष 2007 में सिख गुरु की वेशभूषा में फोटो खिंचवाने पर डेरा समर्थकों व सिखों के बीच लंबा हिंसक टकराव भी हुआ। इस बीच न्यायिक प्रक्रिया को बाधित करने के भी तमाम प्रयास किए गए, लेकिन अंततः न्याय की जीत हुई। इसके अलावा एक डेरा मैनेजर फकीर चंद की गुमशुदगी के मामले में सीबीआई तार्किक परिणति तक नहीं पहुंच पाई थी। इसी बीच डेरे के सैकड़ों साधुओं को नपुंसक बनाने के भी आरोप लगे। इस बाबत जुलाई 2012 में उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई। यह मामला अदालत में विचाराधीन है। ये सारे प्रकरण और अदालत का फैसला समाज में अंधभक्ति से इतर तार्किक आस्था की जरूरत बताते हैं। यह भी कि, हर व्यक्ति को गलत बात का विरोध करना चाहिए, चाहे ओहदेदार कितना भी बड़ा क्यों न हो। नसीहत धर्म गुरुओं को भी कि नैतिक पथ से भटकने की फिसलन जेल के सींखचों के पीछे ले जाती है।

कानून व न्यायिक व्यवस्था के लिए चुनौती

उग्र भीड़ या कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा लोगों की पीट-पीट कर हत्या करने की घटनाओं को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सही ठहराने के प्रयास कानून व्यवस्था के लिए ही नहीं बल्कि न्यायिक व्यवस्था के लिए भी चुनौती बन रहे हैं। इस तरह की कोई भी घटना, चाहे वह लखीमपुर खीरी की हो या फिर राजस्थान के हनुमानगढ़ या अलवर की हो, निंदनीय और शर्मनाक है। इस तरह की बर्बर घटनाओं को सही ठहराना या इसे क्रिया की प्रतिक्रिया का नाम देना उच्चतम न्यायालय की 2018 की व्यवस्था को चुनौती देने जैसा है।

देश की शीर्ष अदालत ने बार-बार कहा है कि, संविधान में प्रदत्त जीने का अधिकार बेशकीमती है और प्रत्येक नागरिक को गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। इस अधिकार के प्रति किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। स्पष्ट न्यायिक व्यवस्थाओं के बावजूद संकीर्ण और दकियानूसी सोच वाले वर्ग पर इसका ज्यादा असर नहीं पड़ रहा है। किसी असहाय व्यक्ति को पीट-पीट कर उसकी हत्या करने, जिसे लिंचिंग भी कहते हैं, की घटना में तत्काल प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए। न्यायालय की व्यवस्था है कि पुलिस को ऐसे मामले में तत्काल प्राथमिकी दर्ज करनी चाहिए और ऐसे मामलों की सुनवाई भी त्वरित अदालतों में होनी चाहिए, जहां यह कार्यवाही छह महीने के भीतर पूरी की जानी चाहिए। लेकिन इस तरह की घटनाओं में ऐसा नहीं होता है। इस तरह की किसी भी घटना पर शुरू में पर्दा डालने या फिर ढुलमुल रवैया अपनाने का प्रयास होता है, लेकिन जब मामला तूल पकड़ लेता है तो पुलिस प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई शुरू करती है।

लखीमपुर में पीटकर चार व्यक्तियों की हत्या की घटना को क्रिया की प्रतिक्रिया बताने वाले किसान नेताओं के खिलाफ अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? ऐसे बयानों के बावजूद बयानवीरों के खिलाफकार्रवाई नहीं होना भविष्य के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि, तथ्यों की जानकारी के बगैर ही इसे सांप्रदायिक रंग देने के लिए राजनीति शुरू हो जाती है। आज भी देश के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में अक्सर ही बच्चा चोरी करने, काला जादू करने, मवेशी या वाहन चोरी करने के संदेह में ग्रामीणों द्वारा संदिग्ध चोर को पीट-पीट कर अधमरा कर देने या फिर उसकी हत्या कर देने की घटनाएं होती रहती हैं। आजकल तो गौरक्षा के नाम पर या फिर गौमांस का सेवन करने के संदेह मात्र पर ही कुछ लोग कानून अपने हाथ में लेने में संकोच नहीं कर रहे हैं। स्थिति यह है कि, भीड़तंत्र में लगातार कुछ लोग कानून अपने हाथ में ले रहे हैं। कुछ लोग इस तरह की बर्बर घटनाओं को सही ठहराने का प्रयास भी करते हैं।

उच्चतम न्यायालय ने भीड़ द्वारा कानून अपने हाथ में लेने और असहाय व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या करने जैसे जघन्य अपराध के मामले में कड़ा रुख अपनाया था और 17 जुलाई 2018 को केंद्र और राज्य सरकारों को इन पर प्रभावी तरीके से काबू पाने के निर्देश दिए थे।

न्यायालय ने ऐसे मामलों में तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने के साथ ही लिंचिंग के मुकदमों की सुनवाई छह महीने के भीतर पूरी करने पर जोर दिया था। न्यायालय ने दोषियों को संबंधित धाराओं में प्रदत्त अधिकतम सज़ा देने को कहा था।

न्यायालय ने केन्द्र और राज्य सरकारों से कठोर शब्दों में कहा था कि, लोकतंत्र में भीड़तंत्र बर्दाश्त नहीं है और सरकारें ऐसे मामलों को नजरअंदाज नहीं कर सकतीं। उन्हें ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करनी ही होगी।

न्यायालय का कहना था कि, समाज के व्यवहार को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए जाते हैं और इन्हें लागू करना कानून पर अमल करने वाली एजेंसियों का कर्तव्य है। फैसले में कहा गया था कि, कानून अपने हाथ में लेने वाले संगठन या समूह यह भूल जाते हैं कि किसी को भी अपनी मर्जी के माफिक इसे अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं है।

शीर्ष अदालत ने एहतियाती उपायों के तहत राज्य सरकारों को प्रत्येक जिले में पुलिस अधीक्षक स्तर के वरिष्ठ अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाने का निर्देश दिया था। साथ ही पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी को जिले में भीड़ की हिंसा गतिविधियों की रोकथाम के लिए नोडल अधिकारी की मदद करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। न्यायालय ने हिंसक घटनाओं में संलिप्त होने की संभावना वाले समूहों और संगठनों के बारे में खुफिया जानकारी एकत्र करने के लिए विशेष कार्यबल गठित करने का भी निर्देश दिया था।

अनुप भटनागर

शीर्ष अदालत के इतने स्पष्ट निर्देशों के बावजूद देश के विभिन्न हिस्सों में लिंचिंग की घटनाएं बदस्तूर जारी हैं और इनके वीडियो क्लिप भी सोशल मीडिया पर आते हैं।

इन घटनाओं के मद्देनजर जरूरी है कि, पुलिस और प्रशासन अपनी जिम्मेदारी समझें और स्थानीय स्तर पर अपना खुफिया तंत्र सुदृढ़ करें ताकि हिंसक प्रवृत्ति वाले समूहों और संगठनों का पहले से पता लगाया जा सके।

बांग्लादेश में हिंसा

सिद्धार्थ शंकर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। रविवार रात को उपद्रवियों ने रंगपुर के पीरगंज में 65 से ज्यादा हिंदुओं के घरों में आग लगा दी। इसमें 20 घर पूरी तरह जल चुके हैं। बांग्लादेश में 13 अक्टूबर से हिंदुओं पर हमले शुरू हुए हैं। पहले अलग-अलग स्थानों पर दुर्गा पंडालों को निशाना बनाया गया था और हिंदुओं पर हमला किया गया था। इसमें चार हिंदुओं की मौत हो गई थी, वहीं 60 से ज्यादा घायल हो गए थे। इसके बाद इस्कॉन मंदिर को भी निशाना बनाया गया और तोडफ़ोड़ की गई थी। हिंदुओं के घरों में आग लगाए जाने की वजह एक सोशल मीडिया पोस्ट है। एक शख्स ने फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट किया था। इसके बाद तनाव पैदा हो गया और उपद्रवियों ने उस शख्स के घर पर हमला बोल दिया। इसके बाद हिंसा का दौर शुरू हो गया है। बांग्लादेश में हिंसा के पीछे उपद्रवी तत्वों का ही हाथ माना जा रहा है। बांग्लादेश के साथ भारत के सदा से मधुर संबंध रहे हैं। मगर वहां के कुछ लोग इस सौहार्द को बिगाड़ कर अपना स्वार्थ साधने की फिराक में रहते हैं। वे इस मौके की तलाश में रहते हैं कि, कैसे कट्टरपंथियों को उकसाया जाए और अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाने पर लेकर दोनों देशों के रिश्तों में खटास पैदा की जा सके। इसी का ताजा उदाहरण वहां के हिंदू मंदिरों पर हमले हैं। इन हमलों के बाद वहां जगह-जगह फैले दंगों में अब तक चार लोग मारे जा चुके हैं। कई घायल हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। इन हमलों के पीछे किसी उपद्रवी तत्व का अफवाह फैलाना है। अफवाह फैलाई गई कि, कुछ हिंदुओं ने इस्लाम के पवित्र ग्रंथ का अपमान किया है। फिर देखते-देखते लोग उत्तेजित हो गए और मंदिरों और दुर्गापूजा के पंडालों में तोड़-फोड़ शुरू कर दी। कई हिंदू अल्पसंख्यकों के घरों पर भी हमले हुए।

बांग्लादेश सरकार ने इस स्थिति पर काबू पाने के लिए 22 जिलों में अर्धसैनिक बलों की तैनाती कर दी है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले हुए हैं। पहले भी कुछ उपद्रवी तत्व अफवाह फैला कर सौहार्द का वातावरण बिगाड़ने का प्रयास करते रहे हैं। बांग्लादेश में ऐसा मानस बनने के पीछे कुछ लोग पिछले कुछ समय से भारत में चल रहे नागरिकता कानून लागू करने के प्रयासों से जोड़ सकते हैं। मगर इसमें बहुत दम इसलिए नजर नहीं आता कि जब भारत में यह कानून संशोधन हुआ था, तब बांग्लादेश सरकार ने सहर्ष अपने नागरिकों को अपने यहां आने देने को तैयार हो गई थी। फिर अब उसे लेकर कहीं कोई प्रतिक्रिया भी नहीं उठ रही। इसलिए ताजा घटना के पीछे उपद्रवी तत्वों का ही हाथ माना जा रहा है। सत्ताधारी दल को बदनाम करने की नीयत से ऐसी घटनाओं को अंजाम देने की कोशिशें हर कहीं देखी जाती हैं। ऐसे लोग समुदाय विशेष के प्रति नफरत फैला कर ऐसा माहौल बनाने का प्रयास करते हैं कि जैसे वह उनका दुश्मन हो। कई देशों में, यहां तक कि अमेरिका तक में, तो युवाओं में ऐसी नफरत भरने का प्रयास किया गया कि बाहर से आए लोग उनके रोजगार के अधिकार पर डाका डाल रहे हैं। बांग्लादेश में भी हिंदू कारोबारियों की खासी बड़ी तादाद है। इसलिए कुछ संकीर्ण मानसिकता के लोगों को ऐसा लग रहा होगा कि उनके वहां जड़ें जमाने से उनकी तरक्की में बाधा पैदा हो रही है। फिर कुछ ऐसे उपद्रवी भी होंगे, जो चाहते होंगे कि हिंदुओं पर हमले करने से भारत में भी प्रतिक्रिया होगी, वहां के लोग बांग्लादेशियों पर हमले करेंगे और इस तरह माहौल बिगड़ेगा। दोनों देशों के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हो जाएंगे। इस तरह आम लोगों में मौजूदा सरकार के प्रति व्यापक विरोध का माहौल बनेगा। मगर अच्छी बात है कि ऐसा वातावरण बनाने में वे कामयाब नहीं हो सके हैं। बांग्लादेश सरकार ने तत्परता से उपद्रवियों पर काबू पा लिया है।

बिन इश्तिहार मैदान में है धारदार

आलोक पुराणिक

आईपीएल 2021 को धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स ने जीत लिया। धोनी क्रिकेट के हिसाब से बुजुर्ग हो चुके हैं, चालीस के करीब के धोनी, कई इश्तिहारों से भी रिटायर हो चुके हैं। पर क्रिकेट से रिटायर न हुए, यह साफ हुआ। आईपीएल के फाइनल में जीतकर धोनी ने साबित किया कि, उम्र सिर्फएक नंबर है, जज्बा हो तो खेला जा सकता है। अमिताभ बच्चन तो रोज ही साबित करते हैं कि उम्र सिर्फनंबर है, जज्बा हो तो कुछ भी बेचा सकता है। हालांकि हाल में उन्होंने पान-मसाला बेचने से इनकार कर दिया है। अलबत्ता वाशिंग पाउडर और नमकीन भुजिया से लेकर स्कूटी व ब्यूटी क्रीम वह बेचते रहेंगे। पान-मसाले से फिल्म स्टारों को परहेज करना चाहिए। एक स्टार पिताश्री पान-मसाला बेचते रह गए, पुत्र पर आरोप लग गया कि वह ड्रग्स चरस-गांजा बेच रहा है। बेटे बाप से आगे जाएं, पर इस तरह से आगे न जाए। आगे जाना ठीक है, पर पान-मसाले के आगे चरस-गांजा बेचकर आगे जाना तो खतरनाक है।

खैर, कुल मिलाकर मसला यह है कि बहुत आइटम के इश्तिहार करने वाले विराट कोहली की टीम आईपीएल फाइनल तक ही पहुंच न पायी और कोहली के मुकाबले कम इश्तिहार करने वाले धोनी की टीम आईपीएल फाइनल में पहुंची भी और उसे जीता भी। क्यों, इसकी एक वजह तो यह है कि, बंदा कम इश्तिहारों में काम करेगा, तो खाली रहेगा। खाली रहेगा, तो खेल पर ध्यान देगा। वरना तो यूं होगा कि, अभी शैंपू की शूटिंग से निकले, तो नमकीन-भुजिया की शूटिंग कर लो, फिर पंखा बेच आओ। सिर्फ खेलने पर ध्यान लगायेगा बंदा तो सुबह से शाम तक सिर्फ खेलेगा, सिर्फखेलेगा, तो जाहिर है परफारमेंस सुधरेगी। इस कहानी से तो हमें यह शिक्षा मिलती है। कोहली साहब को सीख लेनी चाहिए कि बुजुर्गों से आगे निकलें, तो यूं निकलें कि सिर्फइश्तिहारों में आगे न निकलें, बल्कि आईपीएल फाइनल जीतकर आगे निकलें। धोनी से हमें सबको यही सीख लेनी चाहिए कि अपने मूल काम पर ध्यान लगाओ।

इस मामले में संगीतकारों का मामला ठीक है। सरोद के विख्यात उस्ताद अमजद अली अब रिटायरमेंट के बाद इलायची की आड़ में पान-मसाला बेचते हैं। चलो बात समझ में आती है। रिटायर हो लिए हैं, अब इलायची वगैरह बेच रहे हैं। मन लगा रहता है। घरवाले भी खुश रहते होंगे कि चलो बुजुर्गवार सही टाइम पास कर रहे हैं, अपने में बिजी रहते हैं। अमजद अली साहब जब अपने करिअर के शीर्ष पर थे, तब वो इलायची की आड़ में पान-मसाला बेचते न दिखे। शायद नौजवानी में संगीत बिना पान-मसाले के ही जोरदार बजा लेता है बंदा। फिर उम्र बढ़ने पर संगीत को पान-मसाले की जरूरत पड़ सकती है। संभव है।

कोहली धोनी से सबक लें और अपने कुछ इश्तिहार धोनी को ट्रांसफर कर दें।

घरेलू उड्डयन की समस्या दूर की जाए

सत्तर वर्ष तक सरकारी प्रबन्धन के दुराचार के बाद एयर इंडिया वापस टाटा समूह को बेच दी गई। लेकिन एयर इंडिया को वापस पटरी पर लाने के लिए टाटा को मशक्कत करनी पड़ेगी। बीते समय में अपने देश में घरेलू उड्डयन की हालत गड़बड़ ही चल रही है। जेट एयरवेज बंद हो गई है, स्पाइस लगभग बंद हो गई थी, इंडिगो के प्राफिट में भारी गिरावट आई है और एयर इंडिया के घाटे को पूरा करने के लिए देश के नागरिक से भारी टैक्स वसूल किया गया है। अतः घरेलू उड्डयन की मूल समस्याओं को भी सरकार को दूर करना होगा।

मुख्य समस्या यह है कि, अपने देश में यात्रा के रेल और सड़क के विकल्प उपलब्ध हैं, जिसके कारण हवाई यात्रा लम्बी दूरी में ही सफल होती दिख रही है। जैसे दिल्ली से बेंगलुरू की रेल द्वारा एसी2 में यात्रा का किराया 2 हजार 925 रुपए है जबकि एक माह आगे की हवाई यात्रा का किराया 3 हजार 170 रुपए है। दोनों लगभग बराबर हैं। अंतर यह है कि, रेल से यात्रा करने में 1 दिन और 2 रात का समय लगता है और भोजन आदि का खर्च भी पड़ता है। जिसे जोड़ लें तो रेल यात्रा हवाई यात्रा की तुलना में महंगी पड़ती है। तुलना में हवाई यात्रा में कुल 7 घंटे लगते हैं। इसलिए लम्बी दूरी की यात्रा में हवाई यात्रा सफल है।

हां, यदि आपको तत्काल यात्रा करनी हो तो परिस्थिति बदल जाती है। उस समय हवाई यात्रा महंगी हो जाती है जैसे दिल्ली से बेंगलुरू का किराया 10 हजार रुपए भी हो सकता है जबकि एसी2 का किराया वही 2 हजार 925 रुपए रहता है, यदि टिकट उपलब्ध हो। इसलिए तत्काल यात्रा को छोड़ दें तो लम्बी दूरी की यात्रा में हवाई यात्रा सफल है।

इसकी तुलना में मध्य दूरी की यात्रा की स्थिति भिन्न हो जाती है। दिल्ली से लखनऊ का एसी2 का किराया एक हजार सौ रुपए है जबकि एक माह आगे की हवाई यात्रा का किराया एक हजार 827 रुपए है। रेल यात्रा में एक लाभ यह भी है कि, आप इस यात्रा को रात्रि में कर सकते हैं, जिससे आपका दिन का उत्पादक समय बचा रहता है। जबकि वायु यात्रा आपको दिन में करनी पड़ती है और इसमें आपका लगभग आधा दिन व्यय हो जाता है। इसलिए दिल्ली से लखनऊ की यात्रा किराए और समय दोनों की दृष्टि से रेल द्वारा सफल है।

यदि छोटी दूरी की बात करें तो दिल्ली से देहरादून रेल, सड़क और हवाई यात्रा सभी में लगभग 5 घंटे का समय लगता है। हवाई यात्रा में यात्रा के दोनों छोर पर हवाई अड्डा दूर होता है (1.1 घंटा), चेक-इन करना होता है (1/2 घंटा) और बैगेज लेने में समय लगता है (1/2 घंटा)। समय के इस व्यय के कारण यद्यपि हवाई यात्रा विशेष में केवल एक घंटे का समय लगता है परन्तु घर से घर तक कुल समय 4 घंटे लगता जो कि, सड़क से लगने वाले 5 घंटे के लगभग बराबर है। हवाई यात्रा में आपको लाइन में लगना होगा, लगेज लेने के लिए इन्तजार करना होगा और हवाई अड्डे तक पहुंचने में भी मेहनत करनी होगी। इसलिए मध्य दूरी की यात्रा जैसे दिल्ली से लखनऊ और छोटी दूरी के यात्रा जैसे दिल्ली से देहरादून रेल या सड़क सफल है और लम्बी दूरी की यात्रा जैसे दिल्ली से बेंगलुरू में हवाई यात्रा सफल है। इतना जरूर है कि यदि तत्काल यात्रा करनी हो तो हवाई यात्रा सफल हो सकती है।

यहां एक विषय यह भी है कि, अक्सर क्षेत्रीय उड़ानें लम्बी उड़ानों को जोडती हैं। जैसे देहरादून से दिल्ली आप एक उड़ान से आए और फिर दिल्ली से कलकत्ता दूसरी उड़ान से गए। इस प्रकार बड़े हवाई अड्डों को हब बना दिया जाता है जहां किसी एक समय तमाम क्षेत्रीय उड़ाने पहुंचती हैं और उसके कुछ समय बाद तमाम लम्बी उड़ानें निकलती हैं। ऐसा करने से क्षेत्रीय उड़ानों का देहरादून से कलकत्ता या बेंगलुरू की उड़ान भरना आसान हो जाता है। अनुमान है कि क्षेत्रीय उड़ानों में इस लम्बी दूरी की उड़ानों के यात्रियों का हिस्सा कम ही होता है, जिसके कारण लम्बी दूरी की यात्रा से जोड़ने के बावजूद क्षेत्रीय उड़ानें सफल नहीं हो रही हैं।

सरकार की नीति इस कटु सत्य को नजरअंदाज करती दिख रही है। केन्द्र सरकार ने 2012 में एक वर्किंग ग्रुप बनाया था, जिसको घरेलू उड्डयन को बढ़ावा देने के लिए सुझाव देने को कहा गया था। ग्रुप ने कहा था कि, क्षेत्रीय उड्डयन को सब्सिडी दी जानी चाहिए। इसके बाद सरकार ने राष्ट्रीय घरेलू उड्डयन नीति बनाई, जिसके अंतर्गत क्षेत्रीय उड़ानों को तीन वर्ष तक सब्सिडी देना शुरू किया गया। हाल में 2018 अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारी कम्पनी डीलायट ने भी छोटे शहरों को उड्डयन के विस्तार की बात कही है। लेकिन इन सब संस्तुतियों को कुछ हद तक लागू करने के बावजूद घरेलू उड्डयन की स्थिति खराब ही रही है। जैसा कि एयर इंडिया, जेट एयरवेज, स्पाइस जेट और इंडिगो की दुरूह स्थिति में दिखाई पड़ती है। इसलिए मूलतः सरकार को अपनी उड्डयन नीति में परिवर्तन करना होगा।

जरूरत इस बात की है कि, लम्बी दूरी की उड़ानों को और सरल बनाया जाए। लन्दन में आप हवाई जहाज के उड़ने के मात्र 15 मिनट पहले हवाई अड्डे पहुंच कर हवाई जहाज में प्रवेश कर सकते हैं जबकि अपने यहां सिक्योरिटी इत्यादि में 1-2 घंटा लग जाना मामूली बात है। इसलिए सरकार को चाहिए कि, सिक्योरिटी चेक और अपने सामान को वापस पाने की व्यवस्थाओं में सुधार करे। साथ-साथ शहरों के दूरदराज के इलाकों से हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए सड़क, मेट्रो इत्यादि की समुचित व्यवस्था करे, जिससे कि अपने देश में लम्बी दूरी के घरेलू उड्डयन का भरपूर विस्तार हो सके। इस दृष्टि से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के विस्तार की योजना सही है क्योंकि इससे लम्बी दूरी की यात्राएं सरल हो जाएंगी। इस दृष्टि से एयर इंडिया की स्थिति भी अच्छी है क्योंकि एयर इंडिया के पास तमाम विदेशी हवाई अड्डों में अपने विमानों को उतारने के अधिकार हैं। इसलिए लम्बी दूरी की विदेशी उड़ानों में एयर इंडिया सफल हो सकती है।

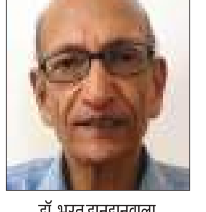

डॉ. भरत झुनझुनवाला
आर्थिक विशलेषक

एयर इंडिया के प्रकरण से एक विषय यह भी निकलता है कि, 70 वर्ष के सरकारी प्रबन्धन में इस कम्पनी की स्थिति खराब हो गई है। इसी तर्ज पर सरकारी बैंकों, इंश्योरेंस कम्पनियों, कोल इंडिया आदि इकाइयों आदि का समय रहते निजीकरण कर देना चाहिए। जिस प्रकार एयर इंडिया का निजीकरण भारी घाटा खाने के बाद किया गया, वही स्थिति इन इकाइयों के साथ उत्पन्न नहीं होनी चाहिए।

गूंज असर क्षतिग्रस्त पुल सुधारा, शुजालपुर-सारंगपुर मार्ग कर रहा अपनी बारी का इंतजार

शुजालपुर-सारंगपुर मार्ग कर रहा अपनी बारी का इंतजार।

प्रशासन की अनदेखी के कारण आए हो रहे हादसे

मौत को खुला आमंत्रण देता शुजालपुर- सारंगपुर सड़क मार्ग

रानोगंज नेवज पुल पर हुई रिपेयरिंग।

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

माही की गूंज के अखबार में 14 अक्टूबर को ÷प्रशासन की अनदेखी के कारण आए दिन हो रहे हादसे÷, ÷मौत को खुला आमंत्रण देता शुजालपुर-सारंगपुर सड़क मार्ग÷ शीर्षक के साथ समाचार प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसके बाद सम्बंधित अधिकारी हरकत में आए। खबर प्रकाशन के बाद एमपीआरडीसी उज्जैन के अधिकारीयो की कुम्भकर्णीय नींद खुली। शुजालपुर समीप ग्राम रानोगंज पर नेवज नदी के पुल व शुजालपुर सारंगपुर मार्ग जर्जर होकर मौत को खुला निमंत्रण दे रहा था। रानोगंज नेवज पुल जो कि क्षतिग्रस्त हो चुका था जिसे एमपीआरडीसी द्वारा एक बार फिर से रिपेयर करवा दिया गया। यह पुल इतना जर्जर हो चुका था कि इसमें कहीं रहा गिर दुर्घटना का शिकार हो चुके थे।

शुजालपुर-सारंगपुर मार्ग की हालत कब सुधरेगी या यु ही राहगीरों को दुर्घटना का शिकार होना पड़ेगा। कई जगह एमपीआरडीसी के कर्मचारियों द्वारा रोड को खोद कर वहा पर गिटटी डाल दी गई, मगर उस पर डामर भी नही किया गया। गिट्टी के ऊपर से गाड़ियां फिसलने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। एमपीआरडीसी महाप्रबंधक को इस और जल्द ध्यान देना चाहिए व कार्य को ठीक तरीके से करवाना चाहिए क्योंकि घटिया कार्य की वजह से ही आए दिन राहगीरों को दुर्घटना का शिकार होना पड़ रहा है। लेकिन सरकारी दफ्तर में बैठे आला अधिकारी भी यह सब जान कर भी अंजान बने रहते हैं।

बालिकाओं को कलेक्टर जैन ने किए उपहार भेंट

माही की गूंज, शाजापुर।

कलेक्टर दिनेश जैन ने बुधवार को शासकीय प्राथमिक विद्यालय नई आबादी दुपाड़ा (टोलखेड़ी) में आयोजित यूनिफार्म वितरण कार्यक्रम में शामिल होकर बच्चों को उपहार भेंट किए। इस अवसर पर नायब तहसीलदार आकाश शर्मा, अजय अहिरवाल, मानव अधिकार मिशन के कैलाशचन्द्र फुलेरिया, चन्द्रसिंह मालवीय, श्रीमती शबनम बी, सीताराम बागरी, ओमकार, सरपंच प्रतिनिध सचिन पाटीदार आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि, मानवसेवा सबसे बड़ी सेवा है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को मानव सेवा के प्रति तत्पर रहना चाहिए और निःस्वार्थ भाव से जरूरतमंद व्यक्तियों की मदद करनी चाहिए। इस दौरान श्री कैलाशचन्द्र फुलेरिया ने भी संबोधित किया। उल्लेखनीय है कि, मानव अधिकार मिशन अंतर्गत आयोजित यूनिफार्म वितरण कार्यक्रम में शासकीय प्राथमिक विद्यालय नई आबादी दुपाड़ा (टोलखेड़ी) की बालिकाओं को कैलशचन्द्र फुलेरिया द्वारा यूनिफार्म का वितरण किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री जैन ने भी अपनी ओर से बालिकाओं को उपहार स्वरूप टिफिन एवं बाटल भेंट की। कार्यक्रम का संचालन ललित पॉलीवाल ने किया एवं आभार मुकेश पाटीदार ने माना।

स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के चलते आमजन हो रहे परेशान

माही की गूंज, भानपुरा।

गरोठ-भानपुरा विधान सभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल है। क्षेत्र के सिविल हॉस्पिटल में डॉक्टरों के साथ-साथ संसाधनों की कमी की वजह से क्षेत्र के लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विनीत राजेश यादव द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदुर बनाने के लिए निवेदन किया है। विनीत यादव द्वारा पत्र के माध्यम से बताया गया कि, गरोठ-भानपुरा विधानसभा क्षेत्र के सिविल हॉस्पिटल में डॉक्टरों व संसाधनों की कमी है। जिसके कारण बढ़ती बीमारियों जैसे डेंगू, टाइटफाइड, मलेरिया व अन्य बीमारियों से ग्रसित मरीजों को अच्छे इलाज के लिए राजस्थान के झालावाड़, भवानीमंडी, कोटा, अन्य जगह जाकर इलाज कराना पड़ रहा है। जिससे समय के साथ-साथ क्षेत्र के लोगों को आर्थिक नुकसान भी सहन करना पड़ रहा है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विनीत राजेश यादव द्वारा बताया गया कि, मेरे द्वारा माननीय मुख्यमंत्री की को पत्र लिखकर विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग में खाली पड़े डॉक्टरों के पद पर पदस्थापना कर वह इलाज हेतु बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने के लिए निवेदन किया है। जल्द ही संबंध में माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से भी चर्चा की जाएगी।

करणी सेना ने किया शस्त्र पूजन

माही की गूंज, शाजापुर। ग्राम खड़ी डोडिया में दशहरे के उपलक्ष में शस्त्र पूजन विधि विधान से करणी सेना द्वारा किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अम्मूजी के आह्वान पर पूरे प्रदेश में करणी सेना द्वारा शस्त्र पूजन किया गया। शस्त्र पूजन कार्यक्रम में करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र सिंह डोडिया, वीरेंद्र सिंह चौहान, देवी सिंह रावत, नरेंद्र सिंह चौहान, सुभाष पटेल, पूर्व सरपंच राजेंद्र सक्सेना, सुरेंद्र सिंह, बंटी मेहता, भंवर सिंह सोनगरा, विजेंद्र सिंह सोनगरा, राजेंद्र सिंह डोडिया, अजीत सिंह फौजी, अंकित चौहान, महेंद्र सिंह चौहान, योगेंद्र सिंह रावत, नंदकिशोर राठोर, सुरेश राठोर एवं कार्यकर्ता मोजुद रहै।

सीतामऊ से तीन बार विधायक रहे नानालाल पाटीदार का निधन

आपातकाल के दौरान 18 माह जंगल मे बिताए

माही की गूंज, मंदसौर।

मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले की सीतामऊ विधानसभा के 3 बार विधायक रह चुके नानालाल पाटीदार का 88 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने मंगलवार रात को अपने गृह ग्राम गुराड़िया प्रताप में अंतिम सांस ली। बुधवार सुबह उनका अंतिम संस्कार किया गया। नानालाल पाटीदार पार्टी के वरिष्ठ नेता थे। वे जनसंघ से जुड़े नेता थे। उनके निधन पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने शोक व्यक्त किया है।

सीएम शिवराज ने ट्वीट कर की शोक संवेदना व्यक्त

नानालाल पाटीदार के निधन पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने शोक संवेदना व्यक्त की है। ट्वीट में लिखा कि, पूर्व विधायक नानालाल पाटीदार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया।

मंदसौर विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने भी ट्वीट कर शोक संवेदना व्यक्त की है। वे भी जोबट उपचुनाव में प्रचार पर हैं। नानालाल पाटीदार का जन्म 10 नवंबर 1933 को गुराड़िया प्रताप के किसान परिवार में हुआ था। बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल रहे। सुवासरा में शिक्षा पूरी करने के बाद शिक्षक बनकर कार्य करने लगे। इसी दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर काम प्रारंभ किया। 1956 में तहसील कार्यवाहक बनाए गए। जनसंघ की स्थापना के साथ ही सक्रिय राजनीति में कदम रखा। पाटीदार ग्राम गुराडिया प्रताप में पंच भी रहे। इसके बाद सुवासरा से सरपंच बने। इसी दौरान जनसंघ के टिकट पर गरोठ विस से चुनाव भी लड़े। लेकिन वे पहली बार 1990 मे सीतामऊ विधानसभा से विधायक चुने गए। इसके बाद सीतामऊ विधानसभा से ही 1993 एवं 2003 में भी विधायक बने। विधायक रहते हुए पाटीदार ने शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य किए। ग्राम लदूना में जवाहर नवोदय विद्यालय उनके प्रयासों से ही संभव हो पाया। नानालाल का सारा जीवन राजनीति को समर्पित रहा। वे दो बार भाजपा के जिलाध्यक्ष भी बने। भारतीय किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बने। किसान संघ के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे।

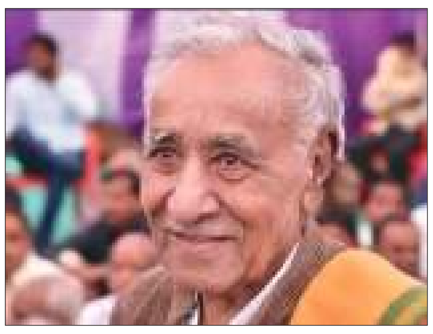

आपातकाल के दौरान जंगल में काटने पड़े दिन

दिवंगत नानालाल पाटीदार 1956 में संघ के सीतामऊ तहसील कार्यवाहक बने। आपातकाल के दौरान 18 माह तक जंगलों में बिताए। वे वार्ड पांच, सरपंच और विधायक तक के सफर में क्षेत्र के लाड़ले नेता रहे। दो बार मंदसौर के भाजपा जिला अध्यक्ष भी रहे।

श्री नाहर स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के स्वच्छता ब्रांड एबेंसडर नियुक्त

माही की गूंज, भानपुरा।

नगर परिषद भानपुरा द्वारा प्रेस क्लब अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार अनिल नाहर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के अन्तरगत स्वच्छता ब्राडं एबेंसडर नियुक्त किया गया। नगर पालिका अधिकारी गोविन्द पोरवाल ने नियुक्ती पत्र दिया ओर कहा कि, स्वच्छ भारत मिशन एक जन आन्दोलन है, उसकी सफलता इस बात पर सुनिश्चित है कि जन समुदाय न केवल स्वच्छ रहे अपितु स्वच्छता हेतु आयोजित कार्यक्रमो मे भी सहभागिता करे। इसी लक्ष्य को पाने के लिए पहली आवश्यकता है कि, आमजन का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति यदि स्वच्छ्ता हेतु प्रयासरत होगे व लोगो को जागरुक करेगे तो तय है हम स्वच्छ भारत का निर्माण कर पाएगें। इसी के तहत भारत मिशन सेल द्वारा अनिल नाहर को ब्राडं एंबेसडर के रुप मे चयनित किया। अपनी नियुक्ती पर नाहर ने कहा कि, स्वच्छता अभियान मे भानपुरा नगर नबरं एक पर आए इसके लिए हर सभवं प्रयास करेगे।

हर्षोल्लास से मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले की ग्राम पंचायत मंडल खा में ग्रामीण मंडल अकोदिया द्वारा महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। जिसमें प्रभारी के रूप में डॉक्टर विष्णु प्रसाद मालवीय, गेंदालाल मालवीय, महामंत्री रामचंद्र कड़वाला, सरपंच नंदकिशोर पाटीदार, दुग्धा सरपंच विष्णु प्रसाद मालवीय, केंद्र संयोजक अजमल सिंह मीणा, कमल सिंह सूर्यवंशी, गोरे लाल परमार, प्रधानाध्यापक कालूराम मालवीय, मनोज खवसे, युवा मोर्चा महामंत्री बाला प्रसाद गुर्जर, मंडल समिति सदस्य चेतन यादव, जगदीश प्रसाद खरे, धर्मेंद्र, अंबाराम, लखन, जगदीश, एलम सिंह, सूरज सिंह, अनिल सिंह, एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय फुटबॉल रग्बी टूर्नामेंट संपन्न

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले की कालापीपल तहसील के ग्राम खोकरा कला में दो दिवसीय जिला स्तरीय फुटबॉल रग्बी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। कोच पवन ने जानकारी देते हुए बताया कि, ग्राम खोकरा कला भेरूजी के गोहे स्थित ग्राउंड में दो दिवसीय रग्बी टूर्नामेंट का आयोजित किया गया। जिसमें शाजापुर, शुजालपुर, गुलाना, खोकरा की टीम ने भाग लिया। इस अवसर पर राम बाबू पाटीदार की स्मृति में रामेश्वर पाटीदार द्वारा पुरस्कार के रुप में सभी खिलाड़ियों को टी-शर्ट भेंट की व गांव के वरिष्ठ नागरिक द्वारा सभी खिलाड़ियों को सिल्ड व मेडल प्रदान किए गए। अगली प्रतियोगिता राज्य स्तरीय प्रतियोगिता ग्राम गुलाना में संपन्न की जाएगी। इस मौके पर भीमराज पाटीदार, बाबूलाल राठौर, संतोष, हरीश पाटीदार आदि वरिष्ठ लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से मनी ईद मिलादुन्नबी, कोरोना से मुक्ति के लिए की दुआ

माही की गूंज, मंदसौर।

ईद मिलादुन्नाबी पर बुधवार को मुस्लिम समाजजनों ने खुशियां मनाई। हालांकि कोविड के प्रतिबंधों के चलते बड़े जुलूस नहीं निकल सके पर कई मोहल्लों में छोटे-छोटे जुलूस निकालकर खुशियां बांटी गई। वहीं कुछ संस्थानों ने सेवा कार्य भी किए। इसके अलावा बच्चे व युवा घूमते भी रहे। जिले भर में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी चौकस रहे।

शहर में नयापुरा सहित कुछ क्षेत्रों में छोटे-छोटे जूलुस भी निकाले गए। मुस्लिम समाजजनों में खासा उत्साह था। शहर काजी आसिफउल्लाह, अंजुमन सदर, जिला वक्फे कमेटी अध्य।क्ष, सीरत कमेटी अध्यक्ष सहित अन्य प्रमुख समाजजनों ने एक-दूसरे को बधाई दी। आइआइइसी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा करुणा सप्ताह के रूप में मनाया गया। इस मौके पर विक्षिप्त महिला गृह और वृद्धा आश्रम में स्वेटर, मोजे, चप्पल, फल, बिस्किट और कुछ खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। आश्रम संचालिका अनामिका जैन से चर्चा की गई। सोसायटी अध्यक्ष मुजफ्फर मंसूरी ने आमजन और सामाजिक कार्यकर्ताओं से आर्थिक सहायता का निवेदन किया। सोसाइटी द्वारा शुक्ला चौक के वरिष्ठ व्यापारियों के हाथों से गरीब व निर्धन व्यक्तियों को राशन किट प्रदान की गई। इस मौके पर आमीन, शाहिद, अनिल, तनुज, इमरान, फिरोज, जाफर, दयाराम सलमा, तरन्नुम, शाहिना, शाहिस्ता मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारियों का सम्मान किया गया

आइआइईसी वेलफेयर सोसाइटी ने ईद मिलादुन्नाबी के दिन को करुणा दिवस के रूप में मनाया। सफाई कर्मचारियों का फूल-माला पहनाकर और स्वल्पाहार कराकर सम्मान किया गया। सोसायटी सदस्यों और सहयोगकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

लगाया निःशुल्क मेडिकल परामर्श शिविर

आइआइईसी वेलफेयर सोसायटी, नंदसेवा संकल्प समिति एवं निडर युवा सेवा संस्था मंदसौर के तत्वावधान में ग्राम अलावदाखेड़ी में निःशुल्क जांच शिविर लगाया गया। महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपिका शर्मा, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अचल गर्ग द्वारा परीक्षण किया गया। सभी तरह के बुखार मलेरिया, डेंगू, शुगर, बीपी एवं महिला रोग संबधित बीमारियों के साथ ही घुटने, कुल्हे, कमर, रीढ़ की हड्डी और सभी तरह की हड्डियों से संबंधित परीक्षण, परामर्श निशुल्क किया गया। समाजसेवी नाहरूभाई, ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी भी मौजूद रही। दयाराम चौहान, शहजाद, देवेंद्र, इमरान, आमीन, शाहिद, राजू मकवाना, अनिल पंचोली, जाफर, शादाब, सलमा, तरन्नुम, शाहिना आदि भी उपस्थित रही।

माही की गूंज, बाजखेड़ी।

मुस्लिम समाज ने कोविड-19 का पालन करते हुए जश्ने ईद मिलादुन्नाबी का पर्व घरों व गली मोहल्लों में रहकर मनाया। सभी ने शासन की गाईडलाइन का पालन किया। एक दूसरे को जश्ने ईद मिलादुन्नाबी की मुबारकबाद दी। बाजखेड़ी के सदर हाजी अयूब अजमेरी ने सभी ग्रामीणों को सरकार की गाईडलाइन व शासन के निर्देशानुसार त्योहार मनाने की अपील की।

माही की गूंज, शामगढ़।

जश्ने ईद मिल्लादुन्नाबी पर जूनी शामगढ़ एवं आलमगढ़ में मोहल्लों में जुलूस निकला। उर्दू स्कूल स्थित नूरी जामा मस्जिद से रंग बिरंगी वेशभूषाओं के साथ जुलूस सिनेमा रोड़ कसाई मोहल्ले तक निकला। इसी प्रकार जूनी शामगढ़ व आलमगढ़ में प्रशासन द्वारा तय किए गए मार्ग पर निकला। नूरी जामा मस्जिद के आसपास आकर्षक विद्युत सज्जा कर सब्जी मंडी तक सीरिज लगाई गई। जुलूस के बाद मस्जिद में मिठाईयां वितरित की गई।

माही की गूंज, पिपलियामंडी।

जश्ने ईद मिलादुन्नाबी पर्व मुस्लिम समाज ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। समाजजन ने जुलूस निकाला। अयोध्या बस्ती से प्रारंभ होकर मदीना मस्जिद पहुंचा। इस दौरान समाज वरिष्ठजनों का पुष्पहार से स्वागत किया गया। बच्चे नए कपड़ों में जलसे में शामिल रहें। युवा आतिशबाजी कर रहे थे। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा व कांग्रेसजनों ने मुस्लिम समाज के वरिष्ठ हुसैन खां पठान का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। अनिल बोराना, मुकेश निडर, ब्लाक कांग्रेस महामंत्री दिनेश गुप्ता काचरिया, रामप्रसाद फरक्या, विष्णु फरक्या आदि उपस्थित थे।

माही की गूंज, भानपुरा।

मुस्लिम बस्तियों में साज सज्जा के साथ साथ भंडारे करवा शरबत पिलाकर ईद मिलादुन्नबी का त्यौहार मनाया गया। इस दरमियान सभी ने ईद मिलादुन्नबी की बधाई दी कोरोना गाइडलाइन के तहत त्यौहार को बनाया गया। वही अंजुमन कमेटी द्वारा तकरीर का प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

न्यूज ब्रीफ

कलेक्टर ने सभी सीएमओ को दी चेतावनी

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने जिले के समस्त नगर निकायो के सीएमओ को परिपत्र भेजकर निर्देशित किया है कि, पीएम स्ट्रीट वेण्डर आत्मनिर्भर निधि योजना में पात्र हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभान्वित करवाये। जिससे छोटे-छोटे व्यवसाय करने वाले आत्मनिर्भर बन सके। कलेक्टर ने सभी सीएमओ को चेतावनी दी है कि, योजनान्तर्गत लापरवाही प्रदर्शित करने पर दोषियों पर कठौर कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

डूडा की प्रभारी अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री अंशु जावला ने बताया कि, पीएम स्वनिधि योजना के तहत सड़क के किनारे बैठकर या ठेला लगाकर व्यवसाय करने वालो को बिना ब्याज के 10 हजार रूपए दिए जाते है। इस राशि को निर्धारित समय-सीमा में किश्तो के माध्यम से जमा करवाने वाले हितग्राहियों को द्वितीय चरण में 20 हजार रूपए एवं तृतीय चरण में 50 हजार रूपए की राशि बिना ब्याज के ऋण पर दी जाती है। जिससे छोटे-छोटे व्यवसाय करने वाले अपने व्यवसाय को बढ़ाकर अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते है।

खेल सामग्री खरीदी में हुए गोलमाल में शिक्षकों पर हुई कार्रवाई

माही की गूंज, बड़वानी। शिक्षण संस्थानों में खरीदी गई खेल सामग्री में हुए गोलमाल की शिकायत पर हुई जांच उपरांत सबसे पहले विकासखण्ड पाटी एवं बड़वानी के बीआरसी, जनशिक्षक को शोकाज नोटिस एवं प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों से राशि वसूली करने के आदेश दिए गये है।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग निलेशसिंह रघुवंशी से प्राप्त जानकारी अनुसार, सम्पूर्ण जिले के शासकीय स्कूलों में खरीदी गई खेल सामग्री में भ्रष्टाचार की शिकायत पर कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने संबंधित एसडीएम के माध्यम से विस्तृत जांच करवाई थी। बड़वानी एसडीएम घनश्याम धनगर के द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के आधार पर विकासखण्ड बड़वानी एवं पाटी के बीआरसी एवं 31 जनशिक्षकों को शोकाज नोटिस जारी किया गया है। जबकि 659 प्राथमिक विद्यालयों से 3-3 हजार की वसूली तथा 194 माध्यमिक विद्यालयों से 7-7 हजार वसूली के आदेश दिए है। इसमें विकासखण्ड पाटी के 349 प्राथमिक एवं 93 माध्यमिक विद्यालय तथा विकासखण्ड बड़वानी के 310 प्राथमिक एवं 101 माध्यमिक विद्यालय पर वसूली की कार्रवाई अधिरोपित की गई है।

श्री रघुवंशी ने बताया कि, अन्य एसडीएम से भी जांच प्रतिवेदन प्राप्त हो चुका है। उनके परीक्षण उपरांत दोषियों पर इसी प्रकार की कार्यवाही की जाएगी।

स्व सहायता समूह लीडर्स मीट कार्यशाला का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी। जिले में नाबार्ड द्वारा बैंकर्स सेंसिटाईजेशन एवं स्व सहायता समूह लीडर्स मीट कार्यशाला का बुधवार को आयोजन किया गया। जिसमें कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा, जिला पंचायत सीओ ऋतुराजसिंह, डीडीएम नाबार्ड, एलडीएम, बैंकर्स, एनआरएलएम के समूह लीडर्स द्वारा कार्यशाला में भाग लिया गया।

कार्यक्रम में एनआरएलएम बीएल पोर्टल पर आरबीआई के दिशा निर्देश पर चर्चा कर समूह सदस्य तनुश्री द्वारा सफ्लता की कहानी बताई गई। जिस पर कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा दीदी के हौसले को बढ़ाते हुए उनका स्वागत किया गया।

एसडीएम ने अस्पताल में ऑपरेशन हेतु रिश्वत मांगने पर सौंपा अंतरिम जांच प्रतिवेदन

कलेक्टर ने स्टाफ नर्स, आशा कार्यकर्ता एवं डॉक्टर के विरूद्ध की कार्रवाई

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला चिकित्सालय में गर्भवती महिलाओं के सीजर आपरेशन हेतु गैंग बनाकर अनाधिकृत रूप से राशि वसूलने की शिकायत पर कलेक्टर ने एसडीएम से करवाई गई जांच उपरांत जहां दोषी डाक्टर के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। वही दोषी स्टाफ नर्स को निलंबित कर दिया है। जबकि दोषी आशा कार्यकर्ता को पद से पृथ्क करने के आदेश दिए है।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने जिला चिकित्सालय में गैंग बनाकर गर्भवती महिलाओं के सीजर आपरेशन करने के लिए रिश्वत लेने एवं रिश्वत की राशि न मिलने पर संबंधित महिला को गंभीर स्वास्थ्य समस्या बताकर रैफर करने की शिकायत की जांच एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर के नेतृत्व में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक अजय गुप्ता के माध्यम से करवाया था। जांच उपरांत कलेक्टर ने एसडीएम की प्राथमिक रिपोर्ट के आधार पर दोषी डॉक्टर रितु खन्ना के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। वही दोषी स्टाफ नर्स लीना उईके को निलंबित तथा आशा कार्यकर्ता उषा वासनिया को तत्काल पद से पृथ्क करने के आदेश दिये है।

जांच के दौरान प्राप्त तथ्य

एसडीएम एवं उनकी टीम ने प्रारंभिक जांच के दौरान पाया कि, गर्भवती महिलाओं के परिजनों को डरा धमकाकर आपरेशन हेतु राशि की मांग की जाती है। राशि नही देने पर इन्दौर रैफर कर दिया जाता है। इस संबंध में जांच के दौरान कुछ गर्भवती महिलाओं के परिजनों ने संबंधित लोगों की आडियों क्लिप भी सुनाई जिसमें संबंधित लोगों द्वारा राशि मांगने जैसी बाते कही जा रही है। राशि न मिलने पर इन्दौर रैफर करने के पश्चात् संबंधित आशा कार्यकर्ता द्वारा गर्भवती महिलाओं के परिजनों को चिन्हांकित प्रायवेट डॉक्टरों के पास ले जाकर, प्रायवेट अस्पताल सीजर कराने जैसी भी बाते प्रथम दृष्टया सिद्ध हुई है। जिसमें रैफर महिलाओं का आपरेशन प्रायवेट चिकित्सकों द्वारा राशि लेकर प्रायवेट अस्पतालों में किया गया। जांच के दौरान यह तथ्य भी उभरकर सामने आया कि आशा कार्यकर्ता को प्रायवेट में आपरेशन करवाने पर 2 हजार रुपए मिलते है। वही यदि अटेण्डर शासकीय अस्पताल में वांछित राशि जो 4 हजार से 8 हजार रुपए तक होती है, दे दी जाती है तो उसका आपरेशन शासकीय अस्पताल में ही चिकित्सकों द्वारा कर दिया जाता है। इसकी राशि गैंग के सदस्य आपस में बांट लेते है। इसी प्रकार कई बार इन्दौर रैफर गर्भवती महिलाओं का सीजर आपरेशन भी शासकीय चिकित्सकों द्वारा प्रायवेट अस्पतालों में जाकर करने का भी तथ्य स्पष्ट हुआ है।

जांच के दौरान कुछ गर्भवती महिलाओं के परिजनों ने प्रायवेट अस्पतालों के बिल भी दिखाए। जिन्हे रैफर करके प्रायवेट अस्पताल में सीजर करवाने हेतु मजबूर किया गया था। और इसके लिए उन्हे भारी राशि अदा करना पड़ी थी।

जांच के दौरान टीम ने प्रथम दृष्टया पाया कि, जिला महिला अस्पताल में प्रसूति के लिए आने वाली गर्भवती महिलाओं के साथ तथा उनके साथ आये परिजनों को ड्यूटी पर उपस्थित आशा कार्यकर्ता, स्टाफ नर्स द्वारा बड़े ही सुनियोजित एवं संगठित तरीके से अवैध रूप से राशि प्राप्त करने के लालच में प्रायवेट लैब में जांच हेतु परिजनों को विवश करते है। विभिन्न प्रकार की जांच करवाकर, भय का वातावरण बनाकर निजी नर्सिंग होम में डिलेवरी करवाने या शासकीय चिकित्सालय में ही सीजर करवाने के लिए अवैध रूप से राशि ली जाती है।

जिला सीओ ने वसूली राशि जमा नहीं करने पर सरपंच-सचिव को जेल भेजने के जारी किए आदेश

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला पंचायत सीओ ऋतुराजसिंह ने विभिन्न प्रकरणों में वसूली राशि जमा नहीं कराने पर 11 सरपंच और 4 पंचायत सचिवों को मध्यप्रदेश पंचायतराज अधिनियम 1993 की धारा 92 की उपधारा 2 के तहत जेल वारंट जारी कर संबंधित थाना प्रभारियों को इन नामजद लोगो को जेल भेजने के निर्देश दिए है।

इनके विरूद्ध जारी हुआ जेल वारंट

जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी अनुसार जिन सरपंचों के विरूद्ध जेल वारंट जारी किया गया है, उसमें ग्राम पंचायत चिचली की तत्कालिन सरपंच सुश्री नर्मदीबाई, बोम्या की तत्कालिन सरपंच सुश्री अनुबाई, कसरावद के तत्कालिन सरपंच किशोर डावर, बोम्या के तत्कालिन सरपंच हरेसिंह अनारे, बड़गॉव के तत्कालिन सरपंच शीतल तेरसिंह, खाजपुर की तत्कालिन सरपंच सुश्री बीलीबाई गाया, कोयड़िया के तत्कालिन सरपंच कैलाश सात्या, किड़ीअम्बा के तत्कालिन सरपंच बटलीबाई दशरथ, लवाणी के तत्कालिन सरपंच इसलीबाई सियाराम, मोहनपुरा के तत्कालिन सरपंच बायजाबाई तेरसिंह, धनोरा के तत्कालिन सरपंच दिनेश सीताराम तथा मोहनपुरा के तत्कालिन एवं वर्तमान में बालकुआ के पंचायत सचिव श्यामू डुडवे, किड़ीअम्बा के तत्कालिन सचिव मंशाराम नार्वे, लवाणी के तत्कालिन पंचायत सचिव कैलाश ब्राहम्णे, धनोरा के तत्कालिन पंचायत सचिव गोकुल पिपल्या के विरूद्ध जेल वारंट जारी कर संबंधित थाना प्रभारियों को इन्हें जेल भेजने के निर्देश दिए गए है।

मतदान दलों के अधिकारियों का दो सत्रों में प्रशिक्षण आयोजित

माही की गूंज, खरगोन।

लोकसभा उप निर्वाचन-2021 के अंतर्गत दिनांक 30 अक्टूबर 2021 को मतदान संपन्न होना है। जिले में मतदान निर्विघ्न, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए व्यापक तैयारियाँ निरंतर रूप से की जा रही है। वहीं केन्द्रीय विद्यालय बुरहानपुर में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं प्रशिक्षण प्रभारी रोहित सिसोनिया के मार्गदर्शन में मतदान दल में नियुक्त मतदान अधिकारी क्र-1, 2 व 3 को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का श्री सिसोनिया ने जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को निर्वाचन आयोग से प्राप्त दिशा-निर्देशों से अवगत कराया। प्रशिक्षण अवसर पर मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदान दल में नियुक्त प्रशिक्षणार्थियों को चुनाव संबंधी प्रक्रिया, ईवीएम एवं वीवीपीएटी के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की जा रही है।

मतगणना कार्य हेतु सौंपे दायित्व

माही की गूंज, खरगोन। लोकसभा उप निर्वाचन-2021 के अंतर्गत खण्डवा संसदीय क्षेत्र समाविष्ट विधानसभा क्षेत्र-179 नेपानगर एवं विधानसभा क्षेत्र-180 बुरहानपुर की मतगणना शासकीय जीजामाता पॉलीटेक्निक कॉलेज परिसर में 2 नवम्बर, 2021 को प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह के निर्देशानुसार मतगणना व्यवस्था के प्रभारी अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रोहित सिसोनिया रहेंगे। मतगणना संबंधी विभिन्न कार्यो के लिए विभिन्न विभागों के शासकीय अधिकारियों/कर्मचारियों को कार्य-दायित्व सौंपे गए है। कलेक्टर प्रवीण सिंह ने निर्देशित किया है कि, जिन अधिकारियों व कर्मचारियों को मतगणना संबंधी कार्य दायित्व सौंपे गए है। वे पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से अपने कार्य दायित्वों को निर्वहन करें।

लाला विधायक प्रतिनिधि नियुक्त

भाजपा जिला मंत्री के भाई है शेरू लाला, लगातार बड़ा रहे है कांग्रेस का जनाधार

माही की गूंज , पेटलावद/सारंगी

लगातार भाजपा की और रुख कर रहे कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपने नियंत्रण में रखने के लिए अब कांग्रेस के विधायक कांग्रेस के मेहनती कार्यकर्ताओ की अनदेखी छोड़ उनको जिम्मेदारी देना शुरू कर दी है। हालांकि रायपुरिया क्षेत्र में हुई नुकसानी से निपटने के लिए कोई योजना कांग्रेस की और से नही दिखी लेकिन कांग्रेस के लिए मजबूत माना जाता रहा सारंगी क्षेत्र में और मजबूत करने की और अग्रसर है।

यहाँ लगातार कांग्रेस के लिए मेहनत करने वाले शैलेन्द्र सिंह राठौर (शेरू लाला) को सारंगी ब्लाक में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है, शेरू लाला गंगाखेड़ी रहने वाले है जहा से भाजपा के जिला महामंत्री आते है और उनके भाई है जो लगातार यहां से भाजपा के लिए चुनौती पेश कर रहे है। राजनीतिक रूप से भाजपा जिला महामंत्री के क्षेत्र में कांग्रेस को मजबूत करने के और आगामी चुनाव में भाजपा के समीकरण बिगड़ने के उद्देश्य से उनको विधायक प्रतिनिधि बनाया जाना बताया जा रहा है। शेरू लाला की नियुक्ति के बाद उनके समर्थकों ने उनको बधाई प्रेषित की है, शेरूलाला ने बताया कि, वो कांग्रेस के छोटे से सिपाही है और जो भी जिम्मेदारी मिली उसको पूर्ण निभाऊँगा।

6 प्रकरण दर्ज कर 3 को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, खरगोन। लोकसभा उपचुनाव के मद्देनजर खरगोन जिले में अवैध मदिरा विक्रेताओं के विरूद्ध कार्रवाई की गई। बुधवार अलसुबह वृत खरगोन अ एवं ब के आबकारी दल द्वारा संयुक्त रूप से अवैध मदिरा के विरूद्ध कार्यवाही की गई। वृत खरगोन ब के ग्राम अस्वारिया, साईखेदा एवं हतोला में कार्यवाही कर वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक सचिन भास्करे द्वारा मप्र आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क,च के 06 प्रकरण दर्ज कर 03 आरोपीयों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में 110 लीटर हाथभट्टी मदिरा एवं लगभग 2 हजार 500 किलोग्राम महुआ लहान मौके पर विधिवत नष्ट किया गया। इन प्रकरणों में जप्त मदिरा एवं महुआ लहान का बाजार मूल्य लगभग एक लाख 40 हजार रुपए है। कार्रवाई में संबंधित वृतों के आबकारी मुख्य आरक्षक तथा आरक्षकों का योगदान रहा।

मुस्लिम समाज ने ईद मिलादुन्नबी पर निकाला जुलूस, तकरीर एवं लंगर का हुआ आयोजन

देश में अमन-चेन और कोरोना महामारी से मुक्ति के लिए मांगी गई दुआं

माही की गूंज, झाबुआ।

मंगलवार को ईद मिलादुन्नबी के मौके पर मुस्लिम समाज द्वारा स्थानीय हुसैनी चौक से जुलूस निकाला गया। जिसका जगह-जगह विभिन्न कमेटियों एवं समाजजनों ने स्वागत-सत्कार किया। जुलूस बाद संजेरी गार्डन पर समाजजनों ने देष में अमन-चेन और कोरोना से मुक्ति के लिए दुआएं मांगी। तत्पष्चात् यहां तकरीर एवं लंगर का भी आयोजन हुआ।

पर्व पर सुबह 9 बजे हुसैनी चौक से जुलूस आरंभ हुआ। जिसमें आगे बच्चें समाज और धर्म के निषान लेकर सम्मिलित हुए। इसके पीछे युवा घोष लगाते हुए आतिष्बाजी करने के साथ जुलूस में विषेष रूप से पेष ईमाम मुफ्ती निजामुद्दीन साहब, मोलाना गुलाम मोहम्मद साहब एवं सद्दाम हुसैन साहब के साथ शहर सदर अब्दुल मजीद शेख, हाजी सलीम बाबा, हाजी समीउद्दीन सैयद, वाहिद शेख, ईरषाद कुरैषी, जाकिर कुरैषी शामिल हुए। जिनका जगह-जगह समाजजनों ने पुष्पमालाओं से भव्य स्वागत किया। सबसे पीछे समाज के पुरूष वर्ग बड़ी संख्या ने भाग लिया। यह जुलूस मारूति नगर, मोलाना आजाद मार्ग होते हुए संजेरी गार्डन पहुंचा।

विभिन्न कमेटियों ने किया इस्तकबाल

जुलूस का विभिन्न कमेटियों ने इस्तकबाल किया। जिसमें मोलाना आजाद मार्ग में फातिमा कमेटी से जुड़ी समाज की बालिकाओं ने पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिवस पर केक का वितरण किया। वहीं आगे चलने पर हजरत दीदार शाह वली उर्स कमेटी छोटा तालाब की ओर से मोईनुद्दीन सैयद, अफ्जल अंसारी, अयाज हसनुद्दीन, जैनुद्दीन शेख, डी बाबा आदि ने स्टॉल लगाकर सभी का पुष्प वर्षा कर स्वागत करने के साथ मिठाई बांटी। इस दौरान समाजजनों को एक-दूसरे को मुबारकबाद देने का भी क्रम चला। छोटे बच्चें और बालक-बालिकाएं सज-संवरकर जुलूस में शामिल हुए। दिनभर प्रत्यक्ष, मोबाईल एवं सोषल मीडिया पर भी समाजजनों ने एक-दूसरे को पर्व की मुबारकबाद दी। पुलिस प्रषासन की ओर से आयोजनस्थल एवं शहर के प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए।

तकरीर एवं लंगर का हुआ आयोजन

जुलूस के संजेरी गार्डन पहुंचने पर यहां समाजजनों ने दुआएं मांगी। बाद तकरीर में पेष ईमाम मुफ्ती निजामुद्दीन साहब के साथ मोलाना गुलाम मोहम्मद साहब एवं सद्दाम हुसैन साहब ने समाजजनों को पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिवस एवं उनके जीवन के बारे में जानकारी दी। अंत में सभी के लिए लंगर का आयोजन हुआ, जो शाम करीब 4 बजे तक चला। इस दिन मुस्लिम बाहुल क्षत्रों में घरों पर विद्युत सज्जा के साथ बाजारों में भी विषेष सजावट की गई।

भाजपा नगर मंडल ने वाल्मिकी जयन्ती मनाई, माल्यार्पण कर की पूजन-आरती

माही की गूंज, झाबुआ।

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल झाबुआ द्वारा शरद पूर्णिमा पर महर्षि वाल्मिकी का जन्मदिन नगर के वार्ड नम्बर 10 में मनाया गया। नगर मंडल अध्यक्ष अंकुर पाठक, भाजपा के पूर्व कार्यालय मंत्री पण्डित महेन्द्र तिवारी ने महर्षि वाल्मिकी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा कर उन्हे स्मरण किया।

इस अवसर पर नंगर मंडल अध्यक्ष अंकुर पाठक ने कहा कि, महर्षि वाल्मीकि का मूल नाम रत्नाकर था, उनके पिता ब्रह्मा जी के मानस पुत्र थे, लेकिन रत्नाकर जब बहुत छोटे थे तब एक भीलनी ने उन्हें चुरा लिया था.। जिसके बाद वह भीलों के समाज में पले-बढ़े।. वहां कई सारे भील राहगीरों को लूटने का काम करते थे., इसलिए वाल्मीकि ने भी वही रास्ता अपनाया.। श्री पाठक ने कहा कि, कथा के अनुसार एक बार नारद मुनि जंगल के रास्ते जाते हुए डाकू रत्नाकर के चंगुल में आ गए., बंदी नारद मुनि ने रत्नाकर से सवाल किया कि क्या तुम्हारे घरवाले भी तुम्हारे बुरे कार्यों में तुम्हारा साथ देंगे...? रत्नाकर ने अपने घरवालों के पास जाकर नारद मुनि का सवाल दोहराया। जिसके जवाब में उन्होंने स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया। डाकू रत्नाकर को इस बात से काफी झटका लगा और उसका ह्रदय परिवर्तन हो गया। साथ ही उसमें अपने जैविक पिता के संस्कार जाग गए. इसके बाद रत्नाकर ने नारद मुनि से मुक्ति का रास्ता पूछा.। नारद मुनि ने रत्नाकर को राम नाम का जाप करने की सलाह दी, लेकिन रत्नाकर के मुंह से राम की जगह मरा-मरा निकल रहा था. इसकी वजह उनके पूर्व कर्म थे। नारद ने उन्हें यही दोहराते रहने को कहा और कहा कि तुम्हें इसी में राम मिल जाएंगे. 'मरा-मरा' का जाप करते-करते कब रत्नाकर डाकू तपस्या में लीन हो गया.। तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने उन्हें 'वाल्मीकि' नाम दिया और साथ ही रामायण की रचना करने को कहा।

पण्डित महेन्द्र तिवारी ने महर्षि वाल्मिकी के बारे में बताया कि, वाल्मीकि ने नदी के तट पर क्रोंच पक्षियों के जोड़े को प्रेमालाप करते हुए देखा लेकिन तभी अचानक पास में मौजूद एक शिकारी का तीर नर पक्षी को लग गया।. ये देखकर कुपित हुए वाल्मीकि के मुंह से निकला, 'मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समाः .यत्क्रौंचमिथुनादेकमवधी काममोहित.' अर्थात प्रेम क्रीड़ा में लिप्त क्रोंच पक्षी की हत्या करने वाले शिकारी को कभी सुकून नहीं मिलेगा। हालांकि, बाद में उन्हें अपने इस श्राप के कारण दुख हुआ। तब नारद मुनि ने उन्हें सलाह दी कि, आप इसी श्लोक से रामायण की रचना करने की शुरुआत करें। हम सब को संकल्प लेना है कि हम सभी समाज में जात-पात का भेद भाव मिटा कर लोक समस्ता सुखिनः भवन्तु के सिद्धान्त पर चलना चाहिए। इस अवसर पर नगर मंडल उपाध्यक्ष नितेश गादिया, किशोर भाबर, अमरू डामोर, अमीत शर्मा, जुवानसिंह गुण्डिया, स्वीट गोस्वामी, रवि थापा दीपक भागवत, राजेश थापा, नरेन्द्र राठौरिया,अतीक भाबर सहित बडी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

विधानसभा उपचुनाव में जोबट सीट पर बड़े-बड़े दिग्गज कूदे

प्रमुख मुकाबला कांग्रेस व भाजपा में, मतदाताओं का काम की तलाश में पलायन जारी

माही की गूंज, अलीराजपुर। विशेष संवाददाता जगराम विश्वकर्मा

विधानसभा क्षेत्र जोबट में दूसरी बार उपचुनाव की नौबत आन खड़ी हुई है। पूर्व में तत्कालीन विधायक अजमेर सिंह रावत के निधन तथा वर्तमान में विधायक कलावती भूरिया के आकस्मिक निधन के कारण उपचुनाव हो रहा है, जिसमें 30 अक्टूबर को मतदान होना है। इस उपचुनाव की जीत से न तो कांग्रेस वापस सत्ता में आएगी और न ही भाजपा को कोई हानि या लाभ होना है, फिर भी सीट पर चुनाव प्रतिष्ठा का हो जाने के कारण कांग्रेस से अधिक चिंता भाजपा को है। यही कारण है कि, सत्ताधारी पार्टी के मुखिया के साथ-साथ कई मंत्री तथा पदाधिकारी बड़े नेता अपनी पार्टी की साख बचाने हेतु मैदान में जुटे हैं। फैसला जिन्हें करना है उनमें से अधिकांश पलायन कर चुके हैं या करते जा रहे हैं और 30 अक्टूबर तक गांव-गांव के घर खाली हो चुके होंगे। मतदान का कम प्रतिशत किसका खेल बिगड़ेगा और किसकी किस्मत सम्हालेगा, यह 2 नवंबर को पता चलेगा।

इन दिनों जोबट विधानसभा के उपचुनाव के कारण जोबट विधानसभा का कस्बा आम्बुआ चुनावी रणभूमि बना हुआ है। आम्बुआ में विगत दिनों कांग्रेस ने जहां महिला आक्रोश के नाम से विशाल महिला सम्मेलन रखा, वही आम्बुआ में मुख्यमंत्री ने भी जनदर्शन यात्रा के माध्यम से चुनावी बिगुल फूंका। इसके बाद जैसे ही चुनाव की तारीख की घोषणा हुई सत्ताधारी पार्टी भाजपा के कई मंत्री, कई बड़े नेताओं का जमावड़ा क्षेत्र में देखा गया। कई नेता अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों की धूल फांक रहे हैं तथा कोशिश में है कि, वे कांग्रेस से यह सीट छीन सके।

इधर प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने अलीराजपुर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष महेश पटेल को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। जब उनके साथ ही पूर्व विधायक तथा राज्य मंत्री रही श्रीमती सुलोचना रावत ने यह मान लिया कि, कांग्रेस उन्हें टिकट नहीं दे रही है तो उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। इस कारण अब मुकाबला कांग्रेस का पूर्व कांग्रेसी से ही होना है। कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी महेश पटेल के लिए अभी तक विधानसभा प्रभारी रवि जोशी, पानसेमल विधायक श्रीमती चंद्रप्रभा किराड़े, सैलाना विधायक हर्ष गहलोत आदि मैदान में डटे हैं। कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय पर्चा भरने वाले स्व. कलावती भूरिया के भतीजे दीपक भूरिया ने अपना नाम वापस लेकर महेश पटेल (कांग्रेस) को समर्थन देकर चुनाव प्रचार में अपनी टीम के साथ लग गए हैं।

क्षेत्र में मतदाता काम की तलाश में पलायन कर क्षेत्र में रोजगार नहीं होने की गवाही दे रहे हैं। प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण मतदाता क्षेत्र से गुजरात जा रहे हैं। आगामी 30 अक्टूबर तक विधानसभा क्षेत्र के कई गांव-घर खाली हो जाना तय है। ऐसे में प्रशासन द्वारा अधिक मतदान कराने का क्या होगा। कम मतदान प्रतिशत किसकी नाव डुबाएगा या किसकी नाव पार लगाएगा, यह 2 नवंबर को पता चलेगा। जो मतदाता अभी है वह चुप्पी साधे बैठे समय का इंतजार कर रहे हैं।

स्टॉप डेमो पर कड़ी शटर नहीं लगने से व्यर्थ बह रहा है अमूल्य जल

माही की गूंज, आम्बुआ।

बरसात का मौसम लगभग समाप्ति की ओर है तथा क्षेत्र में इस वर्ष बारिश का आंकड़ा भी बहुत कम माना जा रहा है। जो बारिश हुई वह सितंबर-अक्टूबर में होने से कुछ अनुपात जरूर बड़ा है, जिसे सहेजने हेतु नदी-नालों पर बने स्टॉप डेमो पर कड़ी शटर लगाना चाहिए। मगर अभी तक प्रशासनिक आदेश नहीं होने से पानी व्यर्थ बह रहा है।

क्षेत्र में विगत वर्षों की तुलना में इस वर्ष वर्षा का कम हुई। माह जून तथा जुलाई-अगस्त में बहुत कम तथा रुक-रुक कर बारिश होने से क्षेत्र के नदी, नालों, तालाबों में पानी एकत्र नहीं हो पाया। माह सितंबर के अंतिम सप्ताह तथा अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में हुई वर्षा ने फसलों को कुछ लाभ पहुंचाया, मगर आगामी फसल हेतु यह बारिश तथा संचय जल अपर्याप्त माना जा रहा है। इसलिए नदी-नालों में बहकर जा रहे जल का संग्रह करने हेतु क्षेत्र के नदी-नालों पर बने स्टॉप डेमो के गेट अविलंब लगाना जरूरी माना जा रहा है। प्रशासनिक स्तर से संबंधित ग्राम पंचायतों, जल समितियों तथा संबंधित विभागों को तत्काल ही कड़ी शटर लगाने तथा जहां स्टॉप डेम नहीं है उन नदी नालों में कच्चे बांध, बोरी बंधान आदि बनवाकर जल संग्रह करना जरूरी माना जा रहा है। ताकि आगामी फसल के साथ-साथ जानवरों की पेयजल की व्यवस्था हो सके।

क्षेत्र में बढ़ रही चोरी की घटनाएं, बदमाश पुलिस की गिरफ्त से दूर

माही की गूंज, पारा।

नगर व आसपास के क्षेत्रों में लूटपाट व चोरी की घटनाए दिन पर दिन बढ़ती जा रही हैं, अज्ञात बदमाश सफलतापूर्वक घटनाओं को अंजाम देते जा रहे है। पुलिस हर बार नाकाम साबित हो रही है, बदमाश झाबुआ व अलीराजपुर जिलों के छोटे-छोटे गांव में घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। आखिर दोनों जिलों की पुलिस अज्ञात बदमाशों की धरपकड़ करने के लिए बड़ा कदम क्यों नहीं उठा रही...? पुलिस हर बार घटना स्थलों का मौका मुआयना करने के बाद शायद भूल जाती है, अगर पुलिस शक्ति से बदमाशों की छानबीन करें तो बड़ी सफलता मिल सकती है। पारा नगर में अज्ञात बदमाशों ने इन दो-तीन महीनों में दर्जन भर से भी ज्यादा दुकानों के ताले तोड़कर लाखों के माल पर हाथ साफ किए थे। पुलिस चौकी प्रभारी रामसिंह चौहान ने एक भी घटना में सफलता हासिल नहीं की या सफलता हासिल करने के लिए कोई प्रयास भी नही किया। किराना व्यापारी सौरव पंचोली ने बताया कि, अपने किसी काम से जोबट गए हुए थे शाम को वापस लौटते समय बीच में ग्राम बोरी जो कि अलीराजपुर जिले के अंतर्गत आता है बोरी की नाल में बदमाश घात लगाकर बैठे थे, बोरी की नाल पारा से 5 से 6 किलोमीटर के करीब है, सौरव अपनी बाइक से आ रहे थे, बदमाशों ने सौरभ को रोककर मोबाइल और 5 हजार नगदी लूट कर फरार हो गए। दूसरी घटना जोबट निवासी महेंद्र जैन अपनी पत्नी के साथ स्कूटी से पारा निवासी अमृतलाल जैन के यहां आए हुए थे, वापस जोबट के लिए रवाना हुए बीच रास्ते में ग्राम चूलिया में सामने से दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने महेंद्र जैन की स्कूटी के सामने आ गए व मारपीट कर सोने की चेन व कान के लटकन व दो मोबाइल फोन छीनकर बदमाश फरार हो गए। ग्राम चूलिया राणापुर थाने के अंतर्गत आता है मौका वारदात के बाद राणापुर व पारा नवगढ़ चौकी प्रभारी सुनीता चौहान अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे गए थे, परन्तु बदमाशो का पता नही लगा सके।

पिस्टल की नोक पर खेत में खड़ी फसल बर्बाद करने का लगाया आरोप

पांच लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत कर कार्रवाई की मांग, जमीन विवाद को लेकर हुआ बड़ा मामला

माही की गूंज, पेटलावद।

थांदला-बदनावर स्टेट हाइवे पर लगातार बढ़ती जमीनों की कीमतों ने अब बडे विवादों को जन्म दे दिया है। यहां होने वाले जमीन विवादों सामान्यतः दो पक्ष आपस मे भीड़ कर जमीन पर अधिकार दिखाने की कोशिश करते है लेकिन यहां ऐसा मामला सामने आया जहा बंदूक की नोक पर एक किसान के खेत मे खड़ी फसल को कुछ लोगो ने किसान के सामने ही बर्बाद कर दिया। मामला जमीन विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है, ग्राम करडावद निवासी किसान राजाराम आंजना ने पुलिस थाने पर आवेंदन पेश कर बताया कि उसकी स्वामित्व की भूमि ग्राम करडावद में स्थित है जहां वो वर्षो से खेती करता आ रहा होकर काबिज़ है और वर्तमान में सोयाबीन की फसल बो रखी थी, जो कटने की तैयारी थी और आधी फसल काट कर खेत मे रखी हुई थी। मंगलवार देर रात दो बजे के लगभग उकार, प्रेम, अनिल, दिनेश और गोपाल आंजना अपने साथियों के साथ खेत पर आए और खेत मे खड़ी फसल पर रोटोवेटर चला कर फसल नष्ट कर दी, जिसकी जानकारी मिली तो खेत पर गया जहां इनके द्वारा मेरे साथ गाली गुप्ता कर विवाद किया गया। राजाराम आंजना ने आवेंदन में बताया कि, खेत पर आए एक व्यक्ति के पास पिस्तौल थी जिसकी नोक पर मुझे डरा कर फसल नष्ट की गई। राजाराम ने बताया कि देर रात मेरे द्वारा चौकी पर शिकायत दर्ज करवाई गई है ,राजाराम का कहना है ये लोग जमीन को अपनी खरीदी हुई बताकर विवाद कर रहे है जबकि जमीन मेरी है और वर्तमान में मामला न्यायालय में है। इसके बाद भी ये लोग डरा-धमका कर भूमि मुझसे छीनना चाहते है।

मामले के जांच अधिकारी एएसआई भारत नायक ने बताया कि, दोनों पक्षो की और से आवेंदन आया है और मौके पर जा कर जांच की है, दोनों पक्ष जमीन को अपना-अपना बता रहे है अब दोनों पक्षो को दस्तावेजो के साथ बुलाया है और बयान दर्ज करने के बाद एसडीएम के पास मामला भेजा जाएगा। क्योंकि भूमि वर्तमान में किसके नाम पर है और किसका कब्जा है इसका निर्णय राजस्व विभाग करेगा उसके बाद विधिवत कार्रवाई की जाएगी । पूरा प्रकरण भू-माफिया से जुड़ा हो सकता है जो विवादित और सरकारी भूमियों को इस प्रकार ओने-पोने दाम पर ओर साठ-गांठ कर हतिया कर करोड़ो के व्यारे-न्यारे कर रहे है ।

नगर के हाफ़िज़ ए कुरआन बनने पर किया स्वागत

माही की गूंज, अलीराजपुर। नगर के मशहूर शायर सिराज तन्हा के पुत्र मोहम्मद आदिल ने कुरान मुकम्मल किया है। इस मोके पर पाकीजा फैमेली ने हाफिज मोहम्मद आदिल का इत्रदान, गुलपोसी कर इस्तकबाल किया गया। अय्यूब मंसुरी बहारपुरा के निवास पर रात्री को हाफ़िज़ आदिल का इस्तकबालिया प्रोग्राम रखा गया। अपनी इस उपलब्धि को लेकर हाफ़िज़ मोहम्मद आदिल ने अपने वालीद और बड़े पापा की लगन और मेहनत बताई है। इस अवसर पर अय्यूब मंसूरी, शकील मंसूरी, जावेद मंसूरी, अजहरुद्दीन मंसूरी, स्माइल मंसुरी, साजिद मंसूरी, जुनैद मंसुरी, मोहसिन मंसूरी, शोएल मंसुरी, वसीम मंसुरी, अबरार मंसुरी, आफ्ताब आदि मौजूद रहे।

रंगोली बनाकर व मतदाता जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को किया प्रोत्साहित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

विधानसभा क्षेत्र जोबट उप निर्वाचन 2021 के तहत जोबट के तहत ग्राम उदयगढ में ग्रामीण महिलाओं ने मतदाता जागरूकता का आह्वान करते हुए मतदाता जागरूकता हेतु स्वीप गतिविधियों का आयोजन किया। इस अवसर पर महिलाओं ने मनमोहक रंगोली बनाकर, मतदाता जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को मतदान हेतु प्रोत्साहित किया। सभी ने मतदान का संकल्प लेकर अन्य ग्रामीणों को 30 अक्टूबर 2021 शनिवार के दिन मतदान करने हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महिलाओं ने मतदाता जागरूकता के नारे लगाते हुए मनमोहक रंगोली के माध्यम से सभी को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि जिले के जोबट विधानसभा क्षेत्र में उप निर्वाचन के मद्देनजर स्वीप गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर आजीविका मिन की सुश्री नीना राठौर एवं अन्य स्टॉफ सदस्य उपस्थित थे।

शरद पूर्णिमा के अवसर पर कन्या भोज

माही की गूंज ,थांदला। नगर के कालिका माता मंदिर पर शरद पूर्णिमा के अवसर पर दोपहर के 12 बजे से कन्या भोज का आयोजन किया गया। कन्या भोज के यजमान समाजसेवी अर्जुन रामचंद्र सोनी द्वारा कन्याओं को भोजन कराया गया व माताजी का आशीर्वाद लिया गया। कालिका माता मंदिर पर रात्रि 8 बजकर 30 मिनिट से गरबो का आयोजन किया जो रात्रि 12 बजे तक चला। रात 12 बजे महाआरती हुई आरती के पश्चात डेढ़ क्विंटल साबूदाने की खीर प्रसादी के रूप में वितरित की गई। अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहा जाता है जिससे शरद ऋतु का भी आरंभ होता है, रात्रि में अमृत भी बरसता है जो कि भक्तों को भक्ति के रूप में मिलता है।

सादगी के साथ निकला ईद मिलादुन्नबी जुलुस

गुलशने मदीना कमेटी ने जुलुस का पुष्पवर्षा से किया इस्तकबाल

माही की गूंज, अलीराजपुर।

स्थानिय मुस्लिम समाज द्वारा मंगलवार को अमन-शांति एवं भाईचारे के दुत ईस्लाम धर्म के पैगम्बर मौहम्मद साहब (स.अ.) का जन्मदिन ईद मिलादुन्नबी का पर्व परंपरानुसार सादगी एवं सोहार्द्ध के साथ मनाया गया। इस मौके पर मुस्लिम समाज ने जुलूसे मोहम्मदियां नगर के प्रमुख मार्गो से निकाला। जुलूस का नगर मे जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। जुलूस का अन्य धर्म के लोगों ने भी स्वागत कर सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश की। समाजजनो ने जुलुस मे शिरकत कर खुषी का ईजहार कर सरकार का जश्न हर्षोल्लास के साथ मनाया।

सादातो की आगवानी मे निकला जुलुस

मंगलवार सुबह स्थानिय जामा मस्जिद चैक से शहर काजी सैयद अफ्जल मियॉ, सैयद फरीद मियॉ, सैयद अशफाक मियॉ एवं औलमाओ की आगवानी जुलूस निकाला गया। जुलूस में चल रहे वरिष्ठजनो का विभिन्न धर्म के नागरिकों ने हार-फुल माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान जुलुस का स्वागत मे आतिशबाजी कर पुष्पवर्षा की गई। इस दौरान सबसे आगे रंग-बिरंगी पौशाक पहने नन्हे-नन्हे बच्चे ईस्लामी परचम लहराते हुए चल रहे थे। उसके पिछे समाजजनो की एक टोली बेंण्ड के साथ नआत एवं देशभक्ति व कोमी एकता के तराने गुनगुनाते हुए चल रहे थे। सबसे अंतिम पंक्ती में युवओकी टोली डीजे की धुन पर झुमते हुए दिखाई दिए। जुलूस नगर के विभिन्न मार्गो से भ्रमण करते हुए पुनः जामा मस्जिद चोक पर पहुंचा।

गुलशने मदीना कमेटी द्वारा किया इस्तक़बाल

इस दौरान गुलशने मदिना कमेटी ने बहारपुरा मंसूरी चौक को आकर्षक तरीके से सजाकर कमेटी के सदस्य द्वारा शहर काजी सैयद अफ्जल मियाँ, सैयद फरीद मियाँ, सैयद अशफाक मियाँ, मोहसिन मियाँ, सैयद हैदर मियाँ, व औलमाए-इकराम का फूल मालाओं से जुलूस का स्वागत किया। बच्चों को मिठाई, बिस्किट ,चॉकलेट, वितरित की गई। कमेटी ने सभी को गले मिलकर ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी वही शहर के हर इलाको मे सैयदो व उलमाओ का जगह-जगह स्वागत किया गया।

बैंड रहा आकर्षक का केन्द्र

पुरे जुलुस मे बडनगर उज्जैन का बैन्ड रहा आकर्षक का केन्द्र बैन्ड मे नाते व कव्वाली पडने वालो ने जमकर शमा बान्धी जिसमे युवा व बडे झुम उठे खुब लुत्फ़लिया हर किसी ने अपनी अपनी फरमाईश के हिसाब ने कव्वालीया सहीदी कलाम सुने।

मुए मुबारक की ज्यारत कराई गई

जुलुस के समापन पर चैक पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर देश मे कोरोना वायरस के खात्मे एवं सोहार्द्ध कायम की सामुहिक रुप से दुआएं की गई। पर्व पर जामा मस्जिद परिषर में दोपहर 12 बजे हुजुरे पाक (स.अ.) मुए मुबारक (बाल मुबारक) की ज्यारत सैयद मोहसिन मियॉ की जैरे निगरानी में समाजजनों को कराई गई। इस अवसर पर मुस्लिमजनों ने भी बढ-चढकर हिस्सा लिया। ज्यारत के दौरान नआंत और सलाम पढ़कर दुआंए मांगी गई। वहि दोपहर 2 बजे से लेकर 4 बजे तक महिलाओ को ज्यारत कराई गई। गोरतलब हे कि मिलादुन्नबी पर्व को लेकर मुस्लिम पंच कमेटी की जेरे निगरानी एवं जल्सा कमेटी के तत्वाधान मे चार दिवसिय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमे नुरानी तकरीर, महिलाओं का ईज्तिमा, नआत ख्वानी व मेहफिलें षमां का आयोजन समपन्न हुए। पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए थे। पर्व शांतिपुर्वक निपट जाने पर दफ्तर दारुल कजात, मुस्लिम पंच कमेटी, जल्सा कमेटी पदाधिकारियों सहित समाजजनो ने प्रशासन का तहेदिल से आभार माना है।

बोहरा तथा मुस्लिम जमात ने मिलादुन्नबी हर्षोल्लास से मनाई

माही की गूंज, आम्बुआ।

दाऊदी बौहरा जमात द्वारा 2 दिन पूर्व मिलादुन्नबी का जमात के स्काउट बैंड के माध्यम से जुलूस निकाला। बुधवार को मुस्लिम जमात ने भी डीजे की धुन के साथ आतिशबाजी करते हुए मस्जिद से जुलूस निकाला, जो कि कस्बे में घूमता हुआ पुनः मस्जिद तक पहुंचा जहां पर नमाज अदा की जाकर देश में अमन शांति की दुआ की गई। दाऊदी बौहरा जमात ने भी मस्जिद हॉल में नमाज के बाद देश में अमन शांति की दुआ की। दोनों समाज के लोगों ने शासन के कोरोना गाईडलाइन का पालन करते हुए मजहबी त्यौहार को शांतिपूर्वक मनाया। पुलिस की माकूल व्यवस्था रही।

यूनियन बैंक मैनेजर की मनमानी से मृतक के परिवार को नहीं मिल रहा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ

मौत के बाद भी मृतक के खाते से बीमे की राशि काटती रही बैंक, कोरोना संक्रमण की वजह से बीमा क्लेम नहीं कर सका युवक कर्ज में डूबा

ग्राम पंचायत से भी नहीं मिला संभल योजना का लाभ

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

देश के प्रधानमंत्री ने बैंक के खाताधारकों को बीमे की योजना का लाभ देने के लिए के दो योजना शुरू की थी। जिसमे 12 रुपये प्रति वर्ष और दूसरी 330 रुपये प्रति वर्ष प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जिसके तहत खाता धारक की मौत होने पर उसे दो लाख रुपये का भुगतान सरकार द्वारा किया जाता है। जिसका प्रकरण बनाकर देने की जिम्मेदारी बैंक की होती है, लेकिन आदिवासी बाहुल क्षेत्र के ज्यादातर खाता धारकों को जानकारी के अभाव मे, तो कही बैंक की मनमानी ओर लापरवाही के कारण योजनाओं का लाभ समय पर नही मिल पाता है। एक गंभीर मामला यूनियन बैंक की सारंगी शाखा में सामने आया है, जहां बैंक ने खाता धारक से समय-समय से बीमे की 330 रुपये की राशि तो वसुली की लेकिन जब खाता धारक की मौत हो गई तो बैंक ने उसके नोमिनी को बीमे की राशि का भुगतान करने से मना कर दिया, इतना ही नही बैंक द्वारा खाताधारक की मौत के बाद भी बीमे की राशि खाते से काट ली।

कोरोना काल के नाम पर बैंक ने नोमिनी भतीजे को किया गुमराह, बैंक मैनेजर ने कहा समय निकल गया अब नहीं मिलेगा बीमा

भँवरसिंह पिता सोमला दामनिया निवासी मकोड़ियाझर का बचत खाता यूनियन बैंक शाखा सारंगी में होकर जिसका खाता क्रं-746902010001704 खुला हुआ, उक्त खाते में नामिनी के रुप में मृतक के भतीजे भारत दमानिया का नाम दर्ज है। खाता धारक भँवरसिंह दामनिया की मौत दिनांक 25 दिसम्बर 2019 को हो चुकी है। भंवरसिंह की मौत के कुछ समय बाद ही कोरोना संक्रमण की लहर आ गई और बैंको में ज्यादातर मामलों की कोई सुनवाई नही हो रही थी, इस दौरान मृतक के नामिनी भारत द्वारा बैंक से खाता में रखी राशि की जानकारी लेने पहुँचा तो उसे बीमे की जानकारी मिली लेकिन बैंक ने उसे कोरोना संक्रमण के चलते बाद में आने को कहा, मृतक के भतीजे ने बताया कि, वो बैंक द्वारा कहने पर सितंबर माह में बीमे की राशि का भुगतान प्राप्त करने गया, जहा बैंक ने उसे बीमा क्लेम करने का समय निकल जाने का बोल कर रवाना कर दिया।

प्रति वर्ष काटी जा रही थी बीमे की 330 रुपये की वार्षिक किश्त

खाताधारक भँवरसिंह दामनिया द्वारा अपने उक्त खाते से प्रधानमंत्री जीवन ज्योती बीमा योजना के तहत बीमा कराया गया होकर जिस बीमे की किश्त प्रतिवर्ष 330 रुपये खाते से काटी जा रही थी, बैंक से पासबुक में की गई इंट्री से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल चार बार बैंक ने खाते से बीमे के 330 रुपये काटे थे, खाता धारक की मौत से पूर्व दिनांक 27 मई 2019 को किश्त काटी गई थी। भँवरसिंह दामनिया की मृत्यु के समय उक्त बिमा अस्तीत्व में रहा होकर जिसका लाभ प्राप्त करने का नामिनी का पूरा अधिकार था जिसके आवेंदन के बाद भी बीमा क्लेम न ही बैंक द्वारा बनाया गया न ही स्वीकृत किया गया।

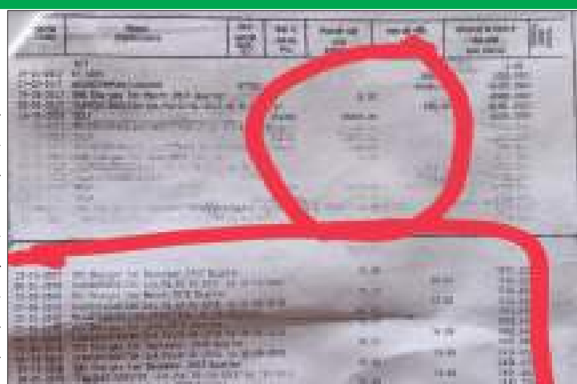

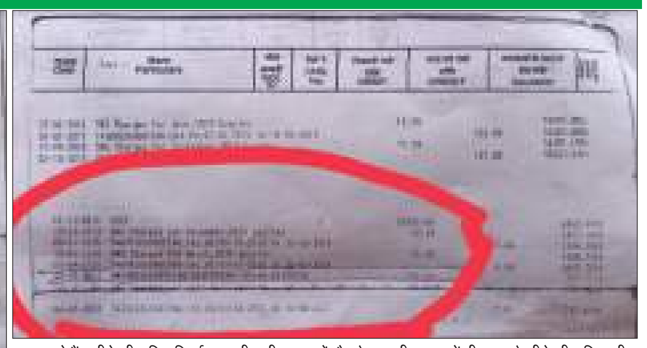

2017 से बैंक बीमे की राशि प्रतिवर्ष कट रही, वही 2019 में मौत के बाद भी 2020 में भी मृतक के बीमे की राशि कटी।

बैंक ने दिया घटिया मानसिकता का परिचय, खाता धारक की मौत के बाद भी काटी किश्त

नामिनी के अनुसार खाता धारक की मौत की जानकारी मौखिक रूप से दे दी थी, लेकिन कोरोना में सरकारी राशि के भुगतान में व्यस्त बैंक ने कोई ध्यान नही दिया और मृतक के खाते से वर्ष 2019 में मौत के बाद निश्चित समय पर बीमे की किश्त 330 रुपये दिनांक 28 मई 2020 को खाताधारक के खाते से काट ली गई, नामिनी भारत का कहना है उक्त राशी प्राप्त करने हेतु मेरे द्वारा युनियन बैंक शाखा सारंगी में कई बार शाखा प्रबंधक से चर्चा की गई, किन्तु आज दिनांक तक उनके द्वारा कोई ध्यान नही दिया गया ना ही सिधे से बातचीत की गई, कहते हैं कि कोई राशी नहीं मिलेगी, तथा माह सितम्बर के बाद माह दिसम्बर में एक प्रार्थनापत्र लेकर भी बैंक गया तो भी मुझसे ठिक से बात नही की व आवेदन की दोनो प्रति अपने पास रख ली व मैने एक प्रति पर प्राप्ती रसीद देने का कहा तो बोले कि कोई प्राप्ती नही मिलेगी । उक्त मामले की शिकायत अनुविभागीय अधिकारी को भी की गई थी लेकिन यहां भी आवेंदन रद्दी की टोकरी में चला गया। सीएम हेल्पलाइन से गुहार लगाई तो जबाब मिला कि इस प्रकार के मामलों की शिकायत यहां दर्ज नही होती।

इस सम्बंध में यूनियन बैंक के मैनेजर गोपाल निगवाल से चर्चा करने का प्रयास किया लेकिन उनका कॉल अटेंन नही हुआ।

कर्ज में डुबा युवक, ग्राम पंचायत ने भी नहीं बनाया संभल योजना का प्रकरण

युवक का कहना है में गरीब आदिवासी व्यक्ति हूँ तथा मेरे बड़े पिता की कोई पत्नी या संतान नही थी और उनकी देख भाल की जिम्मेदारी उस पर ही थे ऐसे में असमय उनके चले जाने पर उसके द्वारा जैसे-तैसे भवरसिंह का अंतिम संस्कार व अंतिम कार्यक्रम बाजार से ऋण लेकर किया गया हैं जो ऋण आज मुझे बाजार में चुकाना हैं, बेरोजगार होने के कारण नही चुका पा रहा हु, युवक ने बताया कि, ग्राम पंचायत द्वारा भी किसी प्रकार की कोई आर्थिक सहायता और संभल योजना का लाभ नही दिया गया, जानकारी के अभाव में मेरे द्वारा संभल योजना में आवेंदन नही किया नही ग्राम पंचायत की और से ऐसी किसी योजना का लाभ मिलने की जानकारी दी गई। अब युवक ने एक बार फिर बैंक से बीमे की राशि के लिए अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद और जिला कलेक्टर झाबुआ को शिकायत करने की बात कही है, यदि यहाँ से हल नही हुआ तो बैंक के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही तक करने मन बनाया है।

रन्नी में उप स्वास्थ्य केंद्र अपनी दुर्दशा पर बहा रहा आंसू

जिम्मेदारों का संरक्षण ऐसा की बिना रख-रखाव व मेन्टेनेस के हो रही राशि आहरण

माही की गूंज, भामल। नारायण पालरा

सरकार शिक्षा व स्वास्थ में कोई कमी नही आने दी जाएगी का दावा करती है लेकिन सरकार की पकड प्रसाशन पर नही दिख पा रही है नतिजन स्वास्थ सुविधाओ के नाम पर विभाग के अधिकारी चॉदी काट रहे है वही बिना रख-रखाव के भी भ्रष्ट राशि आहरण कर रहे है और जवाबदार कमीशन खोरी के साथ सब देख कर भी अनदेखी कर रहे है। ऐसा ही एक मामला खवासा प्रथामिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधिन उपस्वास्थ्य केंद्र रन्नी का सामने आया है । रन्नी उप स्वास्थ्य केंद्र मे एनएनएन तो पदस्थ है लेकिन कभी आती हैं तो कभी नहीं आती हैं और उप स्वास्थ्य केंद्र के ऊपर हमेशा ताला लगा हुआ रहता है। यहां पदस्थ बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता(एमपीडब्ल्यू) डामोर साहब पदस्थ है वह भी अटैचमेंन में है। यहां के उप स्वास्थ्य केंद्र में ना तो दवाई है,ना तो इसका मेंटेनेंस हो पाया है। ऊपर छत से प्लास्टर गिर रहा है। सिर्फदो कमरों में ही उप स्वास्थ्य केंद्र धरातल पर चल रहा है, ना तो वहां कुर्सी की व्यवस्था है, नं कोई रिकॉर्ड की व्यवस्था है और ना ही कोई अलमारी है, जबकि शासन के माध्यम से प्रतिवर्ष इनको रखरखाव की राशि भी मुहैया कराई जाती है। राशि के साथ ही कुछ सामग्री खरीदने के भी नियम होते हैं। लेकिन 3 साल से यह भवन अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। वही यहां बिना आए ही जवाबदारो को कमीशन दे कर बिना किसी सामग्री खरीदी व मेनटेन्स के राशि आहरण प्रतिवर्ष कर ली जाती है। यहां पदस्थ एमपीडब्लू फील्ड वर्कर का भी काम करते हैं, इसलिए यहां समय पर सेवा नहीं दे पाते हैं।

आखिर 2 से 3 वर्ष तक क्यों नहीं किया गया इसका मेंटेनेंस और क्यों नहीं हुई भवन की रंगाई-पुताई

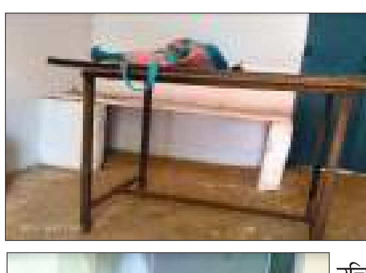

रन्नी के ग्रामीणों का कहना है कि, यहां ना तो कभी हमें डॉक्टर साहब नजर आए ना ही कोई जिम्मेदार अधिकारी, हम जब भी जाते हैं, यहां सिर्फ ताला लगा हुआ रहता है। यहां जो पदस्थ हैं वह फील्ड वर्कर में अधिक रहते हैं इसलिए यहां के ग्रामीणों को सही उचित इलाज नही मिल रहा है। एनएनएम पेटलावद से अप-डाउन करती हैं, वह भी कभी-कभी ही आती है। ग्रामीणों ने बताया कि, यहां 2 साल पहले सिर्फइस भवन की रंगाई- पुताई की गई थी उसके बाद इस भवन के ऊपर आज तक कोई नाम भी दर्ज नहीं है। जबकि हर जगह भवन पर रंगाई-पुताई के साथ उनका नाम भी लिखना अनिवार्य है। क्या जिले के कलेक्टर साहब इस ओर ध्यान देंगे ताकि ग्रामीणों की समस्या का समाधान किया जा सके।

यहां पदस्थ एमपीडब्लू मिथ्यास डामर का कहना है कि, मैं तो यहां अटैचमेंट हूं लेकिन मैंने यहां का अभी तक चार्ज नहीं लिया है, पूर्व में यहां के सुपरवाइजर प्रवीण गोड व मुकेश पाटीदार की देख-रेख में इस भवन की मरम्मत की गई थी। तब से इस भवन पर अभी तक न तो मरमत की गई है, केंद्र बैठने की व्यवस्था तक नहीं है, मैंने उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया है और इसके खाते का संचालन कौन करता है मुझे नहीं मालूम। पूर्व में 2017- 2018 में इसका मेंटेनेंस के साथ ही कलर किया गया था लेकिन 2 वर्ष के बाद अभी तक कोई मेंटेनेंस नहीं किया गया है, मैं जब यहां आया था तो यहां तो टेबल कुर्सी टूटी अवस्था में ही पड़ी हुई थी, मुझे तो यहां कोई नवीन सामग्री दिखी ही नही है। अब इसका खाते का संचालन अभी भी पूर्व में पदस्थ बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता मुकेश पाटीदार के अधीन ही चल रहा है।

वही मामले को लेकर जब एमपीडब्ल्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता पूर्व में पदस्थ मुकेश पाटीदार से जानकारी लेना चाही तो उन्होंने बताया कि, हम तो कब से कह रहे हैं, डामर सर को की आप चार्ज ले लो रन्नी उप स्वास्थ्य केंद्र का लेकिन डामर साहब चार्ज लेना नहीं चाहते है, तो इसमें हमारी क्या गलती।

पूर्व में जो सामग्री खरीदी थी वह कहा है...? के जवाब मे पाटीदार ने चुप्पी साध ली और वह सामग्री कहा है मुझे पता नही पत्रकार को कहा।

गूंज असर: शराब माफिया अलकेश बाकलिया के साथ पुलिस व आबकारी विभाग भी आया हरकत में

कालीदेवी की विदेशी शराब दुकान पर बिक रही देशी शराब हुई बंद

माही की गूंज,झाबुआ।

पुलिस व आबकारी शराब माफियाओं के तलवे चाट कर कार्रवाई करने वाली नीति से माही की गूंज भली-भांति वाकिफ है। अपना टारगेट पूरा करने के लिए ठेकेदार के एजेंटों से फोन पर ही वार्तालाप कर उनके मुलाजिमों के नाम से कुछ मात्रा की शराब का प्रकरण दर्ज कर वाह-वाही लूट जिले के बड़े शराब माफियाओं को संरक्षण देकर खुलेआम शराब बिकवा रही है। वहीं जिले में सेटिगेट के साथ सभी दुकाने शराब माफिया उर्फ सरगना अलकेश बाकलिया की ही है और पूरे जिले में अवैध शराब क्षेत्र के साथ राजस्थान और गुजरात में हजारों पेटी शराब की अवैध रूप से पुलिस और आबकारी के सामने ढोई जा रही है। बात करें कालीदेवी विदेशी शराब दुकान की तो यहां विदेशी शराब की दुकान पर देशी शराब की पेटिया खुलेआम दुकान व गोदाम में रखकर बेची जा रही थी।

हमारे मुखिबर के माध्यम से मय वीडियो के उक्त जानकारी प्राप्त होने पर माही की गूंज के पिछले अंक में 'सरगना अलकेश बाकलिया की सेटिंग ऐसी की बंद लिफाफ़ो के साथ अवैध विदेशी शराब दुकान पर देशी शराब भी बिकवा रहा है' के शीर्षक के साथ प्रकाशित किया था। उक्त समाचार प्रकाशित होने के बाद शराब माफिया उर्फ सरगना अलकेश बाकलिया की मासिक रिश्वत के साथ तलवे चाटु स्थानीय पुलिस के साथ आबकारी विभाग के अधिकारी भी हरकत में आए और अलकेश बाकलिया और गुर्गो को स्पष्ट रूप से कह दिया कि, माही की गूंज में मय फोटो के विदेशी शराब दुकान में देशी शराब बेचने का समाचार प्रकाशित हुआ है, इसलिए जहां तक मामला थोड़ा शांत नहीं हो जाए वहां तक देशी शराब कालीदेवी की विदेशी शराब की दुकान पर बेचना बंद कर दे। जिसपर अलकेश बाकलिया के गुर्गो ने माही की गूंज के समाचार प्रकाशित होने के बाद कालीदेवी शराब दुकान एवं गोदाम में रखी सभी देशी शराब की पेटियां गाड़ी में भर क्षेत्र में जाकर एजेंटों के यहां बेच शराब दुकान एवं गोदाम को देशी शराब की पेटियों से खाली कर दिया।

अब देखना यह है कि सरगना अलकेश बाकलिया कालीदेवी की विदेशी शराब दुकान पर कितने दिन तक देशी शराब नहीं बेचता है, इस पर माही की गूंज की नजर रहेगी।

पिछले अंक 14 अक्टूबर माही की गूंज मे प्रकाशित समाचार के बाद स्थानिय पुलिस, आबकारी विभाग व शराब माफिया आए हरकत में ।

पुलिस को अगर वारदातों को रोकना है तो अपराधियों में खौफ पैदा करना जरूरी

तत्कालीन पुलिस अधीक्षकों के समय दिखता था अपराधियों में खौफ

माही की गूंज, झाबुआ। मुज्जमिल मंसुरी

जो होना है वो टाला जा सकता है क्या? यह प्रश्न एक बार देवकी ने गर्गाचार्य जी से किया था। मुनिवर! जो होना है वो होगा ही यदि यह सच है तो तंत्र, मंत्र, यंत्र की शास्त्रीय विधाएँ बेकार हैं। बीमारियों को समाप्त करने की आयुर्वेद की विद्या भी व्यर्थ है क्योंकि जो होना है वो होगा ही फिर क्या सोचना? इस पर गर्गाचार्य ने तीन प्रकार के कर्म बताए, पहला प्रारब्ध कर्म जो भोगने ही पड़ते हैं। दूसरा संचितकर्म जो तपस्या, पूजापाठ, मंत्र जप से टल सकते हैं और तीसरा वर्तमान कर्म जिससे प्रयास के द्वारा सही कर्म करके बचा जा सकता है। इसलिए हर परेशानी को टालने का प्रयास करना चाहिए यदि टलने लायक होगी तो टल जाएगी, यदि प्रारब्ध है तो भोगना ही पड़ेगा। किन्तु टालने का प्रयास किए बिना कैसे पता लगाया जाए कि क्या प्रारब्ध कर्म से मिला है और क्या संचित कर्म से? मतलब सीधा सा है कि हर परेशानी को टालने का प्रयास जरूर करना चाहिए चाहे वह किसी भी प्रकार की हो।

इसके उलट जिले की पुलिस वारदातो व घटनाओ का इंतजार करती और फिर उसे कुछ ही दिनों में ट्रेस भी कर लेती, इसके लिए वह साधुवाद की पात्र है, लेकिन वह वारदात को रोकने में पूरी तरह से विफल ही नजर आ रही है। जिले में इन दिनों हर तरह का अपराध हो रहा है, लूट, डकैती, चोरी, हत्या, हत्या का प्रयास यह सारे अपराध जिले में इन दिनों आम बात हो गई है। वही जिले में माफियाओ का भी बोलबाला है। अपराधियों व माफियाओं में पुलिस का किसी तरह का कोई खौफ दिखाई ही नहीं पड़ता और वे किसी भी तरह की घटना को अंजाम देने से नहीं चूकते। जिले के हर नगर व कस्बें में लूट, चोरी और हत्या जैसे अपराध पिछले कुछ महीनों में जोर पकड़ते दिखाई दे रहे है। हालांकि पुलिस इन अपराधों के घटने के बाद इन्हे जल्द ही सुलझा लेती है, लेकिन इन वारदातों को होने से रोकने में पुलिस विफल ही रहती है। इसके पीछे कारण सिर्फएक ही है, अपराधियों में पुलिस का खौफनही होना।

पुलिस अधीक्षक से पत्रकारों की सौजन्य मुलाकात में जब जिले में बढ़ रहे अपराधों पर सवाल किए गए तो पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता का यह कहना था कि, वारदातें तो होंगी इन्हे रोका नहीं जा सकता। यानि होनी को कौन टाल सकता है। पुलिस अधीक्षक की यह सोच जिले को अपराध मुक्त बनाने वाली तो बिल्कुल भी नहीं है। क्योंकि अगर वारदात होगी तो अपराधियों के हौंसले तो बुलंद होना तय ही है। फिर चाहे आप वारदात को कुछ समय में ही ट्रेस ही क्यों न कर लें। हुई घटना या वारदात को ट्रेस कर अपराधियों को पकडऩा अच्छी बात है लेकिन वारदात ना हो इसका प्रयास करना भी बहुत जरूरी है और वह तब ही होगा जब अपराधियों में पुलिस का खौफ होगा। गर्गाचार्य का कहना भी यही है कि, वर्तमान कर्म जिससे प्रयास के द्वारा सही कर्म करके बचा जा सकता है।

जहां तक हमारा मानना है कि अनहोनी को होनी कर दे वही पुलिस होती है। चूंकि जिले में रहे पिछले कई पुलिस अधीक्षकों ने इसे करके दिखाया भी है। चाहे वह तत्कालीन पुलिस अधीक्षक जीआर मीना हो, उमेश जोगा हो, आशा माथूर हो या कृष्णावैणी देसावतु सभी ने अपने कार्यकाल में इस तरह से काम किया कि अपराधों व हत्याओं के नाम से पहचाने जाने वाले जिले में अपराधियों को ही खौफ खाना पड़ा या जिला छोड़कर जाना पड़ा। वर्तमान में जिले में पुलिस की कार्यप्रणाली यूं भी बहुत अच्छी तो नहीं है। कहीं वर्दीधारियों का वर्दी में शराब पीते वीडियों वायरल हो जाता है, तो कहीं माफियाओं की संरक्षक बनी पुलिस के फोटो अखबारों में छपते नजर आते है। कहीं पुलिस का पुतला फूंका जाता है, तो कहीं पुलिस की कार्यप्रणाली के विरोध में नगर बंद हो जाते है। पुलिस की ऐसी कई जमीनी हकीकत सर्वविदित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422